● वर्ष : 17 ● अंक : 124 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 21 फरवरी 2026

भारत पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल, एआई इंपैक्ट समिट के दौरान हुए समझौते पर हस्ताक्षर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में आयोजित एक समारोह में पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एआई संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था को शक्ति देने वाले संपूर्ण तकनीकी ढांचे को सुरक्षित करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई गई। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इंपैक्ट समिट के पांचवें दिन इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद कहा कि यह केवल एक औपचारिक हस्ताक्षर नहीं है, बल्कि भविष्य निर्माण का क्षण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत की वृद्धि को देखें तो कंपाउंडिंग ग्रोथ की ताकत स्पष्ट होती है। आज भारत के इंजीनियर दुनिया के सबसे उन्नत दो-नैनोमीटर चिप डिजाइन कर रहे हैं और सेमीकंडक्टर उद्योग को लगभग दस लाख नए पेशेवरों की आवश्यकता होगी, जो भारत के लिए बड़ा अवसर है। अमेरिका के आर्थिक वृद्धि, ऊर्जा और पर्यावरण मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने इस घोषणा को साझा भविष्य का रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि पैक्स सिलिका पर हस्ताक्षर करके भारत और अमेरिका ने यह संदेश दिया है कि आर्थिक सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा है। हम भविष्य की संपूर्ण तकनीकी श्रृंखला को सुरक्षित कर रहे हैं। धरती के भीतर खनिजों से लेकर प्रयोगशालाओं और फैब्स में सिलिकॉन वेफर्स तक और उस बुद्धिमत्ता तक जो मानव क्षमता को उजागर करेगी। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत की भागीदारी को रणनीतिक और आवश्यक बताया। पैक्स सिलिका 21वीं सदी की आर्थिक और तकनीकी व्यवस्था को परिभाषित करेगा। यह खनिज खदानों से लेकर चिप निर्माण फैब्स और डेटा सेंटर तक पूरी सिलिकॉन श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए बनाया गया है। यह गठबंधन इस सवाल का जवाब है कि क्या स्वतंत्र समाज वैश्विक अर्थव्यवस्था की ऊंचाइयों पर नियंत्रण रखेंगे। हम स्वतंत्रता चुनते हैं, साझेदारी चुनते हैं और ताकत चुनते हैं। सर्जियो गोर ने कहा कि एआई क्रांति भविष्य में नहीं, बल्कि आज ही मौजूद है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने भी इस पहल का स्वागत किया और कहा कि पैक्स सिलिका सुरक्षित सप्लाई चेन और प्रमुख तकनीकों में व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि हालिया व्यापार समझौते के साथ यह पहल अमेरिका–भारत टेक साझेदारी के लिए मजबूत आधार तैयार करेगी और दोनों देशों को इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बधाई दी। हस्ताक्षर समारोह के बाद आयोजित उच्च स्तरीय फायरसाइड चैट में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सीईओ संजय मेहरोत्रा और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ एवं एमडी रंधीर ठाकुर ने एआई महत्वाकांक्षा और सेमीकंडक्टर लचीलापन पर रणनीतिक विषयों पर चर्चा की। एस कृष्णन ने कहा कि भारत का लक्ष्य भरोसेमंद साझेदारों के साथ लचीला सहयोग है, जिससे भारत भविष्य की वैश्विक तकनीकी व्यवस्था में अपनी जगह सुनिश्चित कर सके।

एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और ब्राजील के बीच कृषि सहयोग पर बनी सहमति

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान भारत और ब्राजील के कृषि मंत्रियों के बीच कृषि व्यापार और तकनीकी साझाकरण को लेकर व्यापक चर्चा हुई। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को एक्स पर कहा कि आज कृषि भवन में ब्राजील के कृषि मंत्री और उनकी टीम के साथ कृषि उत्पादों की बाजार तक पहुंच आसान बनाने, प्राकृतिक और जैविक खेती से जुड़े कई मुद्दों पर बातचीत हुई। भारत विशेष रूप से अपने अनार, लहसुन, अंगूर और किशमिश को ब्राजील के बाजारों में निर्यात करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और ब्राजील की प्रसिद्ध संस्था ब्राजील की कृषि अनुसंधान निगम (एम्ब्रापा) के बीच सहयोग पर सहमति बनी है। दोनों संस्थाएं मिलकर प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देंगी, जिसके लिए जल्द ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। भारत में जारी दलहन और तिलहन मिशन को मजबूती देने के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना पर भी विचार-विमर्श किया गया। ब्राजील ने एकीकृत कृषि प्रणालियों पर भारत के साथ सहयोग करने की इच्छा जताई है। मंत्री ने कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति के नेतृत्व में वरिष्ठ मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा भारत-ब्राजील संबंधों को और मजबूत करेगा। साथ ही उनका सहयोग भी मिलेगा।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ असली-नकली हिंदू कौन?

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने योगी सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, कि मुख्यमंत्री योगी ने 20 दिन में निर्णय नहीं लिया तो वह लखनऊ की ओर कूच करेंगे। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से "हिंदू होने का प्रमाण" मांगा था। शंकराचार्य ने गो-रक्षा के मुद्दे पर कानून बनाने के लिए कहा था। उनकी इस मांग पर राज्य सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि 20 दिन बीत जाने के बावजूद योगी ने ना तो हिंदू होने का प्रमाण दिया है ना ही गौ रक्षा के मामले में कोई ठोस निर्णय ही सामने आया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को चेतावनी दी है, यदि तय समय सीमा में कदम नहीं उठाया गया तो वह 11 मार्च तक लखनऊ की ओर प्रस्थान करेंगे। प्रयागराज में हुई घटना में बटुकों के साथ कथित बदसलूकी, मारपीट और ज्यादती को लेकर उत्तर प्रदेश के दो उपमुख्यमंत्री योगी के विरोध में खड़े हो गए हैं।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने घर पर बटुकों को बुलाकर उनका सम्मान किया है जिसके कारण उत्तर प्रदेश में भाजपा और संघ की स्थिति चिंताजनक हो गई है। भारतीय राजनीति में 80 और 20 का समीकरण बनाकर हिंदुओं को एकजुट करने का जो प्रयास किया गया था, वह उत्तर प्रदेश से ही टूटता हुआ नजर आ रहा है। यूजीसी ने जो नए नियम लागू किए थे, उसके बाद हिंदुओं में सामान्य जातियों, पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी को लेकर हिंदू बिखरने की स्थिति में आ गए हैं। रही-सही कसर शंकराचार्य और योगी महाराज के बीच जो विवाद चल रहा है, उससे हिंदुओं का हर वर्ग नाराज नजर आ रहा है। शंकराचार्य के साथ योगी के विवाद तथा यूजीसी की अधिसूचना के बाद हिंदुओं में बिखराव का एक नया दौर शुरू हो गया है।

भारतीय राजनीति एक बार फिर से अलग करवट लेने जा रही है। ब्राह्मण और दलित समुदाय के उपमुख्यमंत्री खुलकर शंकराचार्य के साथ आ गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नई राजनीतिक चुनौती मिलना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में संघ और भाजपा दोनों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस मामले को सुलझाने के लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत को उत्तर प्रदेश की यात्रा करनी पड़ी। उसके बाद भी विवाद सुलझने के स्थान पर उलझता चला जा रहा है। राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्रियों के साथ विधायकों का एक बड़ा समूह योगी के विरोध में खड़ा हो गया है। जिससे स्पष्ट है, मामला गंभीर है। ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को शंकराचार्य को लेकर अपना रुख स्पष्ट करना होगा। उत्तर प्रदेश में दलित, अल्पसंख्यक, पिछडा वर्ग और ब्राह्मण भाजपा से नाराज हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की ईरान को दी 10 दिन वाली चेतावनी, बोले– डील नहीं हुई तो 'कुछ बड़ा' होगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी तनाव के बीच कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि अगले 10 दिनों में कोई सार्थक समझौता नहीं हुआ तो हालात गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि डील न होने की स्थिति में बुरी चीजें होंगी और अमेरिका कड़े कदम उठा सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह बयान वॉशिंगटन में आयोजित बोर्ड ऑफ पीस कार्यक्रम के दौरान दिया। उन्होंने कहा कि ईरानी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत जारी है और अब तक की वार्ता "रचनात्मक" रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इतिहास बताता है कि ईरान के साथ एक ठोस और प्रभावी समझौता करना आसान नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी वार्ताकार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों ईरान के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं। ट्रंप के मुताबिक, उनकी बैठकों का माहौल सकारात्मक रहा है, लेकिन अंतिम सहमति तक पहुंचना अभी बाकी है। उन्होंने कहा, शायद हम समझौता कर लें, शायद नहीं। आपको अगले लगभग 10 दिनों में पता चल जाएगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका ने मध्य-पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। विमानवाहक पोत, लड़ाकू जेट और अतिरिक्त रक्षा प्रणालियां क्षेत्र में तैनात की गई हैं।

अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने संदेश में लिखा कि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उद्यमशील नागरिकों से परिपूर्ण राज्य हैं। उन्होंने अपने संदेश में आगे कहा कि दोनों राज्यों ने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी प्रगति व समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहें, यही उनकी कामना है। वहीं उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि यह राज्य हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं, जैव विविधता, मठों, घने वनों और जीवंत जनजातीय परंपराओं से समृद्ध है। उन्होंने अरुणाचल को प्रकृति और संस्कृति के अद्भुत संतुलन का प्रतीक बताया और राज्य के सतत विकास, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मिजोरम के लिए अपने संदेश में उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगलों और उच्च साक्षरता दर के कारण यह राज्य सामाजिक प्रगति और सामुदायिक सद्भाव का मॉडल बनकर उभरा है।

एआई गवर्नेंस प्रगति पर ब्रेक नहीं, बल्कि समाधान का एक्सीलरेटर है : यूएन महासचिव

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मण्डपम में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि विज्ञान आधारित एआई गवर्नेंस प्रगति पर ब्रेक नहीं, बल्कि समाधान का एक्सीलरेटर है। उन्होंने आगाह किया कि यदि एआई के लिए साझा वैश्विक मानक नहीं बने, तो दुनिया भर में नियमों का "पैचवर्क" तैयार हो जाएगा, जिससे लागत बढ़ेगी, सुरक्षा कमजोर होगी और असमानताएं गहरी होंगी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने कहा कि स्पष्ट और भरोसा पैदा करने वाले नियम व्यवसायों को दिशा देते हैं, जिससे नवाचार सही रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ सकता है। विज्ञान आधारित शासन प्रगति को रोकता नहीं है, बल्कि उसे अधिक सुरक्षित, निष्पक्ष और व्यापक रूप से साझा करने योग्य बनाता है। एंटोनियो गुटेरेस जोर देकर कहा कि एआई के प्रभाव बच्चों की सुरक्षा, श्रम बाजार में बदलाव और बड़े पैमाने पर हेरफेर जैसे जोखिम का समय रहते आकलन जरूरी है, ताकि देश अपने नागरिकों को तैयार कर सकें, उनकी रक्षा कर सकें और उनमें निवेश कर सकें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने यह भी कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय सहयोग चुनौतीपूर्ण है, विश्वास कमजोर हुआ है और तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में असंगत नीतियां और तकनीकी मानक लागू हैं। नियमों में इस तरह की असमानता से लागत बढ़ेगी, सुरक्षा कमजोर होगी और वैश्विक विभाजन गहरा होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि साझा बेंचमार्क तय हों, तो दिल्ली का कोई स्टार्टअप भी वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकता है और सुरक्षा मानक तकनीक के साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

ट्रेड डील के विरोध में यूथ कांग्रेस ने किया शर्टलेस प्रदर्शन, बीजेपी ने बताया 'नेशनल शेम'

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत मंडपम में एआई समिट के दौरान हंगामा

राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट के दौरान उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कथित ट्रेड डील के विरोध में टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन किया। अचानक हुए इस विरोध प्रदर्शन से कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। दिल्ली पुलिस ने मामले पर संज्ञान लिया है कहा, कि घटना की जांच की जा रही है और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं भाजपा नेताओं ने इस प्रदर्शन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल करने वाला बताया है। यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस का घमंड और हताशाः पीयूष गोयल : केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विरोध नहीं, बल्कि कांग्रेस का घमंड और हताशा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रेड डील को लेकर भ्रम फैलाने के साथ-साथ इस तरह का प्रदर्शन भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी इस घटना की आलोचना करते हुए कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की छवि खराब करना उचित नहीं है। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने भी प्रदर्शन को शर्मनाक करार दिया।

प्रदर्शन के बाद राजनीति गरमाई : फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। जहां एक ओर कांग्रेस समर्थक इसे लोकतांत्रिक विरोध बता रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी इसे सुनियोजित रूप से भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश बता रही है। एआई समिट के बीच हुआ यह विवाद अब राष्ट्रीय राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

हिमाचल प्रवेश-शुल्क ढाई गुना बढ़ा, शिमला और अन्य जिलों में वाहनों को देना होगा अधिक शुल्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वित्तीय दबाव को देखते हुए राज्य में प्रवेश करने वाले बाहरी राज्यों के वाहनों के लिए एंट्री फीस में भारी बढ़ोतरी का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार ने नई बैरियर नीति लागू करते हुए एंट्री टैक्स लगभग ढाई गुना तक बढ़ा दिया है। नई दरें एक अप्रैल से प्रदेश के 55 एंट्री बैरियरों पर लागू होंगी। नई दरों के अनुसार, बाहरी राज्यों से आने वाले सामान्य वाहनों को अब 170 रुपये एंट्री फीस देनी होगी, जबकि पहले यह 70 रुपये थी। 12 प्लस 1 सवारी क्षमता वाले वाहनों से भी 170 रुपये वसूले जाएंगे। हैवी वाहनों का शुल्क 720 रुपये से बढ़ाकर 900 रुपये कर दिया गया है। निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली मशीनरी जैसे जेसीबी और अन्य भारी उपकरणों का शुल्क 570 रुपये से बढ़कर 800 रुपये हो गया है। ट्रैक्टरों का प्रवेश शुल्क 70 रुपये से 100 रुपये किया गया है। डबल एक्सल बस और ट्रक के लिए शुल्क यथावत 570 रुपये रहेगा। हिमाचल पंजीकरण वाले वाहनों पर कोई बदलाव नहीं होगा। मुख्य बैरियरों में सिरमौर का गोविंदघाट, नूरपुर का कंडवाल, ऊना का मैहतपुर, बद्दी, परवाणू और बिलासपुर के गरामोड़ा शामिल हैं।

कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी ने आरोपों से किया इनकार

सुलतानपुर। गृह मंत्री अमित शाह पर कथित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को सुलतानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने अदालत में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा, कि यह मामला राजनीतिक दुर्भावना के तहत दर्ज कराया गया है और इसमें कोई ठोस आधार नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी करीब 20 मिनट तक कोर्ट में मौजूद रहे, जहां उनका बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत दर्ज किया गया। उनके अधिवक्ता काशी शुक्ला ने मीडिया को बताया कि न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 9 मार्च 2026 तय की है। उस दिन शिकायतकर्ता और बचाव पक्ष अपने-अपने साक्ष्य और दलीलें पेश करेंगे। कोर्ट में मौजूद वकीलों के अनुसार, राहुल गांधी ने अदालत में पहुंचकर न्यायाधीश को हाथ जोड़कर प्रणाम किया और सुनवाई पूरी होने के बाद धन्यवाद भी दिया। पेशी के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इससे पहले राहुल गांधी सुबह सुलतानपुर कोर्ट पहुंचे जहां पर कार्यकर्ताओं ने 'राहुल जिंदाबाद' के नारे लगाए।

एसआरसीसी युगांतर वार्षिक प्रबंधन कॉन्क्लेव में शामिल हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) ने शुक्रवार को युगांतर वार्षिक प्रबंधन कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह उपस्थित रहें। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इंडिया एआई शिखर सम्मेलन के संदर्भ में कहा कि भारत ने ग्लोबल साउथ की जिम्मेदारी उठाई है। एआई शिखर सम्मेलन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि अब तक भारत एआई का उपयोगकर्ता रहा है, लेकिन धीरे-धीरे देश 'सॉवरेन एआई' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जरूरतमंद देशों की क्षमता बढ़ाने और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने का भी संकल्प लिया है। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में युगांतर वार्षिक प्रबंधन कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 1926 में स्थापित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स अपनी शताब्दी मना रहा है और पिछले 25 वर्षों से यहां एक प्रतिष्ठित बी-स्कूल सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि एसआरसीसी के पास शैक्षिक उत्कृष्टता की एक शानदार विरासत है। देश में वाणिज्य शिक्षा को आकार देने के 100 गौरवशाली वर्षों पर एसआरसीसी परिवार को बधाई। उन्होंने कहा कि भारत की अभिनव क्षमता अतुलनीय है और इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को उसकी वास्तविक भावना के साथ लागू करना आवश्यक है।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुआ सिस्टम, 7 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

मौसम ने अचानक ली करवट, जाते-जाते सर्दी लौटी

मौसम ने अचानक करवट ले ली, जिसके चलते सर्दी जाते-जाते फिर लौट आई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 20 से 24 फरवरी के बीच देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, गरज-चमक, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय समुद्री सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों से लेकर दक्षिण भारत तक मौसम असामान्य रहने का अनुमान है। आईएमडी के मुताबिक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। कई इलाकों में 40–50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के कारण तापमान में 2–3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने का अनुमान है। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और श्रीलंका तट के आसपास समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। तेज आंधी और बिजली गिरने से जनजीवन प्रभावित हो सकता है। दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश और 40–50 किमी प्रति घंटे की हवाओं की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 26 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री रह सकता है। बारिश के बाद प्रदूषण स्तर में अस्थायी सुधार हो सकता है, हालांकि ट्रैफिक और उड़ानों पर हल्का असर पड़ सकता है। उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल, चमोली और पिथौरागढ़ में 22 से 24 फरवरी के बीच बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू और मनाली में भी बर्फबारी की चेतावनी है। जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश और बर्फबारी से ठंड बढ़ सकती है। पूर्वी और मध्य भारत के राज्यों बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी तेज हवाओं और हल्की बारिश का असर रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश की संभावना है। आईएमडी ने नागरिकों को मौसम अपडेट पर नजर रखने और प्रभावित क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

जल्द शुरू होगा एसआईआर का तीसरा चरण, दिल्ली समेत 22 राज्यों की बारी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने देश की मतदाता सूचियों को अधिक सटीक, पारदर्शी और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। गुरुवार को निर्वाचन आयोग ने शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को एक महत्वपूर्ण पत्र लिखकर इस महत्वाकांक्षी परियोजना की तैयारियों का जायजा लिया। आधिकारिक संकेतों के अनुसार, इस विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल 2026 से शुरू होने की संभावना है। आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रारंभिक तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें ताकि मतदाता सूची से त्रुटियों को दूर कर एक शुद्ध डेटाबेस तैयार किया जा सके। मतदाता सूची शुद्धिकरण का यह सफर कई चरणों में विभाजित है। इस प्रक्रिया का पहला चरण विशेष रूप से बिहार में सफलतापूर्वक लागू किया गया था, जिसके सकारात्मक परिणामों के बाद अक्टूबर 2025 में दूसरे चरण की शुरुआत की गई। दूसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया था। इन दोनों शुरुआती चरणों के माध्यम से अब तक देश के लगभग 60 करोड़ मतदाताओं का डेटा कवर किया जा चुका है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

कृषि में एआई का बढ़ेगा उपयोग, स्वास्थ्य और आईटी सेक्टर में भी नई संभावनाएं : मोहन यादव

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि राज्य में कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग बढ़ाया जाएगा। मध्य प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है और गेहूं, धान और सोयाबीन उत्पादन में देश में अग्रणी है। किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने, फसलों में होने वाली बीमारियों की समय पर पहचान और रोकथाम के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और सही दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में भी एआई मददगार साबित होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यहां भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट के एक सत्र के दौरान कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में भी एआई का उपयोग बढ़ाया जाएगा, जिससे बीमारियों की समय पर पहचान और सही इलाज संभव होगा। राज्य सरकार आने वाले समय में कई कंपनियों के साथ मिलकर काम करेगी और उनके निवेश का लाभ लेगी। बड़े और छोटे शहरों में आईटी पार्क को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार एआई स्टार्टअप्स को भी प्रोत्साहित कर रही है और उन्हें सरकार के साथ काम करने के अवसर दिए जाएंगे। शिक्षा, उद्योग, पर्यटन और ऊर्जा संरक्षण जैसे क्षेत्रों में भी एआई की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रों में कई कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए गए हैं और निवेशकों को आमंत्रित किया गया है। मोहन यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। एआई के उपयोग से कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग के साथ-साथ ऊर्जा बचत के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खुलेंगी और मध्य प्रदेश भविष्य में इस पूरे सेक्टर में बड़ी भूमिका निभाएगा। समिट के दौरान मुख्यमंत्री ने गूगल के अधिकारियों से भी मुलाकात की और तकनीकी सहयोग पर चर्चा की। एआई के साथ जुड़कर दुनिया के साथ कदम मिलाने का यह अच्छा अवसर है। राज्य सरकार कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, टैलेंट डेवलपमेंट, स्टार्टअप सपोर्ट, इंडस्ट्री में उपयोग और रिसर्च एवं इनोवेशन को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने वैश्विक तकनीकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इस दौरान प्रदेश में एआई अवसंरचना को मजबूत करने, सुशासन को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने और ऊर्जा-कुशल, भविष्य-उन्मुख डेटा सेंटर विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण समझौते हुए।

केंद्र ने दिसंबर, 2025 तक 14 पीएलआई योजनाओं के तहत 28,748 करोड़ रुपये बांटे

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दवा समेत 14 क्षेत्रों को अब तक 28,748 करोड़ रुपये जारी किए हैं। 1.91 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना ने 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मजबूत उद्योग भागीदारी को बढ़ावा दिया है। पीएलआई योजना का उद्देश्य भारत के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और स्थानीयकरण को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत 1.91 लाख करोड़ रुपये का प्रोत्साहन बजट रखा गया है, जो भारत के विनिर्माण आधार को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल है। 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 836 आवेदनों की स्वीकृति के साथ यह योजना उद्योग जगत के मजबूत विश्वास और इसके व्यापक उपयोग को दर्शाती है। पीएलआई योजना को उद्योग जगत शुरुआत से ही लगातार अपना रहा है और विनिर्माण क्षमता में निरंतर विस्तार हो रहा है। इस योजना के तहत पिछले साल 31 दिसंबर तक 14 क्षेत्रों में 836 आवेदन स्वीकृत हुए, 2.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल निवेश हुआ। कुल 20.41 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री और 8.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल निर्यात हुआ। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 14.39 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए और 31 दिसंबर तक 28,748 करोड़ रुपये का वितरण किया जा चुका है। सरकार ने वर्ष 2021 में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के इरादे से 14 क्षेत्रों के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पीएलआई योजनाओं की घोषणा की थी।

काजोल देवगन संबंधी व्यक्तित्व कंटेंट के सोशल मीडिया में इस्तेमाल पर हाई कोर्ट की रोक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने फिल्म अभिनेत्री काजोल देवगन से जुड़े किसी भी कंटेंट का बिना अनुमति इस्तेमाल करने पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि काजोल देवगन के व्यक्तित्व से जुड़े एआई और डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल कर बनाए गए किसी भी कंटेंट के दुरुपयोग की अनुमति नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने विभिन्न प्रतिवादियों को निर्देश दिया कि वो अभिनेत्री से जुड़े पोर्नोग्राफिक और अश्लील सामग्री को हटाएं। सुनवाई के दौरान काजोल की ओर से वकील प्रवीण आनंद पेश हुए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि डीपफेक, आवाज की नकल और दूसरे विजुअल के जरिये न केवल व्यक्तित्व के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि ये गरिमा और निजता के अधिकारों का भी उल्लंघन कर रहे हैं। हालांकि, उच्च न्यायालय ने कहा कि व्यंग्य, कलात्मक अभिव्यक्ति, कमेंट्री और न्यूज रिपोर्टिंग इससे अलग हैं। उच्च न्यायालय ने इसके पहले फिल्म अभिनेता विवेक ओबेरॉय, आंध्रप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण, पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर, फिल्म अभिनेता सलमान खान, अभिनेता अजय देवगन, अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन, पत्रकार सुधीर चौधरी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रविशंकर, तेलुगु अभिनेता नागार्जुन, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन और फिल्म प्रोड्यूसर करण जौहर के व्यक्तित्व से जुड़ी किसी बात का बिना अनुमति इस्तेमाल नहीं करने का आदेश दिया था।

उन्नाव दुष्कर्म : दोषी जयदीप सेंगर को हाई कोर्ट ने कल सरेंडर करने का आदेश दिया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव दुष्कर्म मामले में पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर के भाई जयदीप सेंगर को 21 फरवरी को सरेंडर करने का आदेश दिया है। जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली डिवीजन पीठ ने जयदीप सेंगर को तिहाड़ जेल में सरेंडर करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी को होगी। जयदीप सेंगर को कैंसर के इलाज के लिए जुलाई, 2024 में अंतरिम जमानत मिली थी। जयदीप सेंगर की अंतरिम जमानत समय-समय पर बढ़ाई जाती रही है। कोर्ट ने 17 फरवरी को जयदीप सेंगर की अंतरिम जमानत नहीं बढ़ाई। हालांकि, जयदीप ने भी सरेंडर नहीं किया था। उसके बाद कोर्ट ने जयदीप सेंगर को 21 फरवरी को जेल में सरेंडर करने का आदेश दिया। कोर्ट ने जयदीप सेंगर से कहा कि पहले सरेंडर करें, उसके बाद याचिका पर सुनवाई होगी। अगर सरेंडर नहीं करेंगे, तो निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी। उच्च न्यायालय ने इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट भी दाखिल करने का निर्देश दिया।

लूटपाट का विरोध करने पर चाकू घोपकर की थी हत्या, दो गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के बेगमपुर थाना पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए महज 72 घंटे के भीतर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू, ग्रे रंग की होंडा एक्टिवा स्कूटी, खून से सने कपड़े और मृतक व प्रत्यक्षदर्शी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि 16 फरवरी की शाम करीब 6:56 बजे थाना बेगमपुर को सूचना मिली कि सेक्टर-23 स्थित पेट्रोल पंप के पास मैदान में एक युवक सीने पर चाकू के वार से घायल अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान अमरनाथ यादव के रूप में हुई। घटना में श्रीराम यादव नामक युवक भी घायल हुआ, जिसका मोबाइल फोन

आरोपितों ने लूट लिया था। पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव रंजन के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। क्राइम और फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। आसपास के रेहड़ी-पटरी वालों, कबाड़ी और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। तकनीकी निगरानी और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस को पता चला कि घटना के समय एक ग्रे रंग की स्कूटी पर दो संदिग्ध युवक इलाके में घूम रहे थे। दोनों मंगेराम पार्क और सरदार कॉलोनी क्षेत्र के रहने वाले और नशे के आदी बताए गए। पुलिस ने 19 फरवरी को रोहित (29) निवासी मंगेराम पार्क को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथी दुर्गेश उर्फ दुर्गी (23) निवासी पॉकेट-2, सेक्टर-23, रोहिणी का नाम बताया। बाद में दुर्गेश को भी उसके ठिकाने से दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू, होंडा एक्टिवा स्कूटी, दोनों मोबाइल फोन और वारदात के समय पहने खून से सने कपड़े बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे लूट की योजना बनाकर निकले थे। विरोध करने पर अमरनाथ यादव पर चाकू से हमला कर दिया और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। पुलिस अधिकारी के अनुसार गिरफ्तार रोहित पर चोरी, झपटमारी और लूट के आठ मामले दर्ज हैं। जबकि दुर्गेश पर लूट, झपटमारी और मारपीट के नौ मामले दर्ज हैं। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ कांग्रेस शुरू करेगी राष्ट्रव्यापी अभियान

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली : कांग्रेस ने भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क और आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। यह फैसला शुक्रवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की पार्टी महासचिवों, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और कांग्रेस विधायक दल के नेताओं की एक बैठक में लिया गया। बैठक में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सक्खू ने भी हिस्सा लिया। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने पत्रकारों को बताया कि पार्टी 24 फरवरी को भोपाल से किसान सम्मेलनों की श्रृंखला प्रारंभ करेगी, जिन्हें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संबोधित करेंगे। इसके बाद 7 मार्च को महाराष्ट्र के यवतमाल में किसान सम्मेलन होगा। तीसरा सम्मेलन मार्च में राजस्थान के श्रीगंगानगर में होगा। जयराम रमेश ने बताया कि बैठक में भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा हुई। कांग्रेस का मत है कि यह समझौता दबाव में किया गया है और इसका पहला असर कपास, सोयाबीन, मक्का, फल और मेवा उत्पादक किसानों पर पड़ेगा। पार्टी द्वारा पहले चरण में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में इस मुद्दे को उठाया जाएगा। इसके बाद इस अभियान का विस्तार अन्य राज्यों में भी किया जाएगा और सीधे जनता के बीच इस मुद्दे को ले जाया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष और राहुल गांधी ने बैठक में इस समझौते को प्रधानमंत्री का दूसरा 'सरेंडर' बताया। उन्होंने याद दिलाया कि 10 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोका जाना पहला 'सरेंडर' था।

वायु सेना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पालम दिल्ली कैंट का प्रो. मनोज कुमार कैन ने किया शैक्षणिक दौरा

» विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर हुई चर्चा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर मनोज कुमार कैन ने हाल ही में पालम, दिल्ली कैंट स्थित वायु सेना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक कुमार और शिक्षकगणों के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण शैक्षणिक विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया। ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य वाले विद्यालय के परिसर में पहुँचने पर प्राचार्य श्री अशोक कुमार ने प्रो. कैन का गर्मजोशी से स्वागत किया। चर्चा के दौरान प्राचार्य ने विद्यालय के गौरवशाली इतिहास को साझा करते हुए बताया कि इस संस्थान की स्थापना आजादी के पांच वर्ष बाद, 1952 में हुई थी। विद्यालय की ऐतिहासिक महत्ता का प्रमाण इस बात से मिलता है कि 10 फरवरी 1959 को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने यहाँ का दौरा किया था। विद्यालय की डायरी में आज भी उनके द्वारा लिखे गए शब्द "प्रसन्न

हुआ" और उनके हस्ताक्षर सुरक्षित हैं।प्राकृतिक रूप से संपन्न यह विद्यालय अपने शांत वातावरण और दशकों पुराने विशाल वृक्षों के लिए जाना जाता है, जो विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए एक आदर्श परिवेश प्रदान करते हैं।

शैक्षणिक विमर्श और सर्वांगीण विकास को महत्वपूर्ण मानते हुए-प्रो. मनोज कुमार कैन ने शिक्षकों के साथ संवाद के दौरान नई शिक्षा नीति (NEP) और समकालीन शिक्षा पद्धतियों पर विस्तार से बातचीत की।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा का स्वरूप ऐसा होना चाहिए जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास मे सहायक हो। संवाद सत्र में शिक्षक मनीषा राय, राखी कुमार और हामिदा ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और विद्यालय की हालिया उपलब्धियों व शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में प्रो. कैन को अवगत कराया। विकसित भारत के संकल्प की चर्चा करते हुए प्राचार्य श्री अशोक कुमार ने विद्यालय के विजन को स्पष्ट करते हुए कहा, "हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है ताकि यहाँ का प्रत्येक विद्यार्थी एक जिम्मेदार नागरिक बनकर 'विकसित भारत' के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे सके।" वर्तमान में विद्यालय कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनों संकायों में शिक्षा प्रदान कर रहा है।यह भेंट न केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम बनी,बल्कि अकादमिक जगत और स्कूली शिक्षा के बीच समन्वय को भी मजबूती प्रदान की।

दिल्ली का तालकटोरा स्टेडियम 'लेट्स इंस्पायर बिहार' अभियान के अंतर्गत बिहार के विकास रोडमैप हेतु ऐतिहासिक राष्ट्रीय समागम का साक्षी बनेगा

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली: 'लेट्स इंस्पायर बिहार' (एलआईबी) अभियान, जो निरंतर विकसित होकर भारत के सबसे गतिशील एवं व्यापक नागरिक-नेतृत्व वाले विकास मंचों में से एक बन चुका है, 22 फरवरी 2026 को तालकटोरा स्टेडियम में बिहार डेवलपमेंट समिट 2026 का आयोजन करने जा रहा है। यह शिखर सम्मेलन एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय समागम के रूप में परिकल्पित है, जिसका उद्देश्य 2047 तक विकसित भारत के अंतर्गत विकसित बिहार के साकार रूप हेतु बौद्धिक विमर्श, संस्थागत सहभागिता, उद्यमशील संलग्नता तथा नागरिक-नेतृत्व वाली प्रतिबद्धता को एकीकृत करना है। 22 मार्च 2021 को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विकास वैभव (2003 बैच), पुलिस महानिरीक्षक, बिहार सरकार द्वारा स्थापित 'लेट्स इंस्पायर बिहार' बिहार की संभावनाओं तथा उसकी ऐतिहासिक रूप से सशक्त बौद्धिक संस्कृति एवं

सभ्यतागत विरासत पर आधारित है। यह अभियान 2047 तक विकसित बिहार और फलस्वरूप विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखता है। इसकी दृष्टि यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा, रोजगार अथवा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कोई भी व्यक्ति बिहार न छोड़े। शिक्षा, समानता और उद्यमिता के सिद्धांतों पर आधारित यह अभियान बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक और उद्यमशील विरासत से प्रेरणा लेकर जाति और समुदाय की सीमाओं से परे लोगों को राष्ट्रीय विकास हेतु एकजुट करने का कार्य कर रहा है। इसके विभिन्न प्रकोष्ठों के माध्यम से 3,50,000 (तीन लाख पचास हजार) से अधिक स्वयंसेवक सक्रिय योगदान दे रहे हैं। यह अभियान 2047 तक बिहार में एक उद्यमशील क्रांति की परिकल्पना करता है तथा स्वरोजगार, स्टार्ट-अप और उद्यम के क्षेत्र में प्रवेश करने वाले युवाओं के लिए एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है। वर्ष 2028 तक प्रत्येक जिले में पाँच स्टार्ट-अप स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक 100 से अधिक रोजगार सृजित करेगा। वर्तमान में 600 स्टार्ट-अप इस अभियान से जुड़े हुए हैं। अभियान के अंतर्गत 'गार्गी प्रकोष्ठ' के माध्यम से बिहार के 16 विभिन्न जिलों में 30 गार्गी पाठशालाएँ/निःशुल्क शिक्षा केंद्र संचालित हैं, जिनमें वर्तमान में 2000 से अधिक बच्चे अध्ययनरत हैं।

पंजाबी फिल्म 'वियाह करतारे दा' की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित, 27 फरवरी को होगी रिलीज

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित पंजाबी फिल्म वियाह करतारे दा की प्रेस कॉन्फ्रेंस हाल ही में पीवीआर सिनेमा में आयोजित की गई। इस मौके पर फिल्म के मुख्य कलाकार गिप्पी ग्रेवाल और निमरत खैरा ने मीडिया से बातचीत कर फिल्म से जुड़े कई रोचक पहलुओं को साझा किया। फिल्म के बारे में बात करते हुए गिप्पी ग्रेवाल ने बताया कि यह एक पारिवारिक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन समीर कंग ने किया है। कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपनी पसंद की लड़की से शादी करना चाहता है, लेकिन परिवार इसके लिए तैयार नहीं होता। वहीं दूसरी ओर बेरोजगारी के कारण लड़की भी शादी के लिए सहमत नहीं होती। इन परिस्थितियों के बीच कई हास्यपूर्ण घटनाएं सामने आती हैं, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन देंगी। फिल्म में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने पर पूछे गए सवाल के जवाब में गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि दर्शक फिल्म देखने के बाद महसूस करेंगे कि उनकी भूमिका ने पंजाब पुलिस की गरिमा को बढ़ाया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब निमरत खैरा से पूछा गया कि क्या

वह करतारे जैसे लड़के से शादी करना चाहेंगी, तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि वह ऐसे लड़के से शादी नहीं करेंगी। शादी से जुड़े एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि पंजाबी शादियों में बजट से ज्यादा रिश्तेदारों को संभालने की चिंता होती है, क्योंकि हर शादी में कोई न कोई रिश्तेदार नाराज़ हो ही जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें शादी के लिए एक प्यार करने वाला और केयरिंग जीवनसाथी पसंद है। पंजाबी सिनेमा की वर्तमान स्थिति पर गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि आज पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री काफी आगे बढ़ चुकी है और अब फिल्मों को देश-विदेश में बड़े स्तर पर रिलीज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पंजाबी सिनेमा पारिवारिक मनोरंजन का सबसे भरोसेमंद माध्यम बनकर उभरा है, जिसमें पूरे परिवार के साथ बैठकर फिल्म देखी जा सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाबी फिल्मों के विस्तार के लिए धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और निमरत खैरा के अलावा प्रिंस कंवलजीत सिंह, गुरप्रीत घुग्गी, दीप सहगल, बी.एन. शर्मा, हरदीप गिल, इनामुल हक और रूपिंदर रूपी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। धर्मा प्रोडक्शंस, हम्बल मोशन पिक्चर्स और पिटारा टॉकीज द्वारा निर्मित यह मनोरंजक पंजाबी फिल्म 27 फरवरी 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भारत-अमेरिका के अधिकारी 23 फरवरी से बैठक करके व्यापार समझौते को देंगे कानूनी मसौदा का रूप

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारी अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए 23 फरवरी से अमेरिका में तीन दिवसीय बैठक करेंगे। इस बैठक में समझौते की रूपरेखा को औपचारिक दस्तावेज में बदला जाएगा। इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी कर यह घोषणा की थी कि अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा तय कर ली गई है। संयुक्त बयान में समझौते की मुख्य रूपरेखा तय की गई थी। अब इन बिंदुओं को एक औपचारिक कानूनी समझौते में बदलने के बाद दोनों पक्षों में अगले माह हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारतीय दल का नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। अंतरिम व्यापार समझौते के तहत

दोनों पक्ष आपस में व्यापार किए जाने वाले कई वस्तुओं पर शुल्क रियायतें देंगे। अमेरिका ने घोषणा की है कि वह भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर देगा। इसके अलावा रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर लगाए गए 25 फीसदी दंडात्मक शुल्क को पहले ही समाप्त किया जा चुका है।

भारत के सहयोग से म्यांमार के नाविकों को मिलेगी सिम्युलेटर बेस्ड ट्रेनिंग

लोकतंत्र की शान

नेपीडॉ। भारत के वित्तीय सहयोग से म्यांमार में एक दो मंजिला ट्रेनिंग सेंटर का शिलान्यास हुआ है, जिसमें देश के नाविकों (सीफेयरर्स) के लिए सिम्युलेटर बेस्ड ट्रेनिंग, असेसमेंट और एग्जाम से जुड़ी जरूरी प्रक्रियाएं आसानी से हो सकेंगी। म्यांमार में भारतीय राजदूत अभय ठाकुर ने स्थानीय नेताओं और अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित भूमि पूजन समारोह (ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी) में हिस्सा लिया। भारतीय दूतावास की ओर से कहा गया है, दो मंजिला ट्रेनिंग सेंटर, जो "सीफेयरर्स के लिए सिम्युलेटर बेस्ड ट्रेनिंग, असेसमेंट और एग्जाम सिस्टम" के लिए एक

छोटा डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (एसडीपी) है, के कंस्ट्रक्शन के लिए ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी आज यांगून में प्रोजेक्ट साइट पर हुई। दूतावास ने बताया कि कार्यक्रम में भारतीय राजदूत के अलावा यांगून रीजन गवर्नमेंट के

चीफ मिनिस्टर यू सोए थीन; ट्रांसपोर्ट और कम्युनिकेशन्स के डिप्टी मिनिस्टर यू आंग क्याव तुन भी मौजूद रहे। इस प्रोजेक्ट में सिम्युलेटर-बेस्ड ट्रेनिंग सेंटर के कंस्ट्रक्शन के लिए फाइनेंशियल सपोर्ट के साथ-साथ यांगून में सीफेयरर्स की ट्रेनिंग के लिए मॉडर्न स्टेट ऑफ द आर्ट डिजिटल सिम्युलेटर लगाने का प्लान है। बयान में कहा गया है एसडीपी को लागू करने के लिए इंडियन ग्रांट असिस्टेंस के लिए फ्रेमवर्क एमओयू पर असल में जुलाई 2010 में साइन किया गया था और यह जुलाई 2030 तक वैध है। इस सहयोग के तहत, भारत सरकार ने अलग-अलग एसडीपी प्रोजेक्ट्स को मदद दी है, जैसे कि सागाइंग इलाके के मोन्यवा में 500 बेड वाला हॉस्पिटल, रखाइन स्टेट में कंप्यूटर और एग्रो-मशीनरी की सप्लाई और म्यांमार के कई राज्यों और इलाकों में होम साइंस स्कूलों को मदद। बता दें कि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत जरूरतमंद मित्र पड़ोसी देशों की मदद के लिए हमेशा अग्रसर रहता है। भारत सरकार अपने स्मॉल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट इनिशिएटिव के जरिए, जो हर प्रोजेक्ट के लिए 20 लाख डॉलर तक की फंडिंग देता है, होस्ट देश की जरूरतों और प्राथमिकता के आधार पर हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने जे ई व क्लर्क पर FIR के दिए निर्देश, अव्यवस्था पर लगाई फटकार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहाः शुक्रवार को अमरोहा जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने दूसरे दिन भी सदर तहसील स्थित विनियमित क्षेत्र कार्यालय का औचक निरीक्षण किया

इस दौरान कार्यालय में गंभीर अनियमितताये पाई गई जिसमें महत्वपूर्ण फाइलों का गायब होना भी शामिल रहा, जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से जे ई भानु प्रताप और क्लर्क आशीष यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए, निरीक्षण के दौरान कार्यालय में व्यवस्था और फाइलों का उचित रखाव ना होना पाया गया, जिलाधिकारी को तीन फाइले गायब मिली जबकि एक फाइल जे ई भानु प्रताप द्वारा अपने घर पर होने की बात बताई गई, किस प्रकार कुल चार फाइलों का हिसाब नहीं मिल सका वही कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे भी बंद पाए गए जिस पर संबंधित अधिकारियों से जवाब देही सुनिश्चित करने को कहा गया, जिलाधिकारी ने फाइलों के अधूरे होने नोटिसों के तामिल न होने और मौके पर सत्यापन की तस्वीर फाइलों में ने लगाए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्ति की, क्लर्क आशीष यादव को सही ढंग से निगरानी में करने नोटिस भेजने के बाद अनुस्मारक ने भेजना और कार्य में लापरवाही बरतने के लिए कड़ी फटकार लगाई वहीं जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी के कार्यालय पर उचित नियंत्रण न होने पर भी अपनी नाराजगी जाहिर की निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी ने वैध अवैध भूमि, कॉलोनीयों की स्थिति और कितनी भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई गई है इसकी भी जानकारी ली उन्होंने सख्त निर्देश दिए की कोई भी फाइल अधूरी न रहे और सभी कार्य को नियमानुसार पूरा किया जाए, इस निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के हाथ/ पांव फूले नजर आए।

आदमपुर में पत्नी के न आने से परेशान युवक ने फंदे पर लटक कर की आत्महत्या

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर /आदमपुरः

गुरुवार रात ससुराल से लौटे युवक ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, बताते चले कि थाना आदमपुर के अंतर्गत ग्राम भूबरा में गुरुवार रात ससुराल से लौटकर आए 20 वर्षीय कृष्ण ने फंदा लगाकर आत्म लीला समाप्त कर ली, इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि गांव भूबरा निवासी कृष्ण की शादी 2 साल पहले संभल जिले के अख्तियारपुर की रहने वाली निशा से हुई थी, पिता बृजपाल सिंह ने जानकारी दी कि बीते 8 दिन पूर्व बेटा बहू को लेने ससुराल पहुंच था लेकिन किसी कारणवश बहू नहीं आई जिस वजह से वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा तथा गुरुवार को वह ससुराल से लौटकर घर आया और दिनभर सभी से अच्छी तरह सामान्य व्यवहार करता रहा तथा रात में वह अपने कमरे में चला गया जिसके बाद वह बाहर नहीं निकला काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनो को चिंता हुई परिजनों ने दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई इस पर उन्होंने दरवाजा तोड़कर देखा तो कृष्ण फंदे से लटका हुआ मिला इसके बाद परिजनों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने कृष्ण को फंदे से उतरा और नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया, वही C O ने बताया कि प्रथम दृष्टिय युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या की है फिलहाल मृतक के पास से किसी भी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा, वहीं परिजनों ने भी किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है शुक्रवार को सूचना मिलने पर भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए।

शनिवार को किसानों को बड़ा तोहफा देंगे मुख्यमंत्री

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को उत्तर प्रदेश के किसानों को बड़ा तोहफा देंगे। मुख्यमंत्री किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों व आपदा मित्रों को जीवन बीमा के तहत राशि प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल से ही बागपत, शामली, कासगंज व भदोही के उप कृषि निदेशक कार्यालय तथा मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही मऊरानीपुर झांसी में 50 शैया के छात्रावास भवन तथा लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो इकाई का शिलान्यास भी करेंगे। कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री के सरकारी आवास (पांच कालिदास मार्ग) पर यह आयोजन होगा। इसमें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहेंगे। डा. त्रिपाठी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के अंतर्गत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति राशि वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 3500 लाभार्थी परिवारों को 175 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान करेंगे। आपदा मित्रों को जीवन बीमा प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बागपत, शामली, कासगंज, भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं का शिलान्यास भी करेंगे। इसके साथ ही मऊरानीपुर झांसी में 50 शैया के छात्रावास भवन तथा लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो इकाई का शिलान्यास भी करेंगे।

राजनीति का शुद्धिकरण कर रहे योगी आदित्यनाथः डॉ. डेविड फ्रॉले

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। अमेरिका के प्रख्यात वैदिक विद्वान डॉ. डेविड फ्रॉले ने राजधानी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से योग, आयुर्वेद व सनातन संस्कृति पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के बहुआयामी व्यक्तित्व के प्रशंसक डॉ. फ्रॉले ने कहा कि योगी आदित्यनाथ राजनीति का शुद्धिकरण कर रहे हैं। उन्होंने नाथ परंपरा का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे वैश्विक कल्याण की नई राह प्रशस्त हो रही है। अमेरिकी विद्वान ने योगी सरकार द्वारा अयोध्या का पुरातन गौरव लौटाने की सराहना की और कहा कि अयोध्या का कायाकल्प वेदों की ओर लौटने का मार्ग है। डॉ. फ्रॉले ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ समय बिताना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और सौभाग्य की बात रही। गोरक्ष

पीठाधीश्वर योगी उस नाथ परंपरा से जुड़े हुए हैं, जो प्राचीन योग संस्कृति से जुड़ी है और इसे भारत में जीवंत बनाए हुए है। वे इन परंपराओं को न केवल संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर विस्तार भी दे रहे हैं। साथ ही वे शरीर, मन, समाज के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ राजनीति का शुद्धिकरण भी कर रहे हैं। भारत की वे सभी परंपराएं, जो संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक हैं, योगी आदित्यनाथ के माध्यम से नई ऊर्जा प्राप्त कर रही हैं। सीएम योगी से मिलकर प्रफुल्लित डॉ. डेविड फ्रॉले ने 'नई अयोध्या' की प्रशंसा करते हुए कहा कि अयोध्या का कायाकल्प अत्यंत प्रसन्नता की बात है। प्रभु श्रीराम का दर्शन आध्यात्मिक रूप से अत्यंत सुखद अनुभव देता है। भगवान राम भारत की आत्मा के प्रतीक हैं। वे हमें सूर्यवंश से जोड़ते हैं और समस्त धार्मिक परंपराओं को एक सूत्र में पिरोते हैं। आज विश्व धीरे-धीरे अपनी आध्यात्मिक चेतना खोता जा रहा है। ऐसे में वेद, योग, आयुर्वेद और अन्य भारतीय परंपराओं तक, सबका नवोन्मेष और पुनर्जीवन मौजूदा परिवेश में अत्यंत आवश्यक है। ऐसे समय में योगी जी जैसा नेतृत्व मिलना भारत ही नहीं, पूरे विश्व के लिए वरदान है।

संभल में विकास कार्यों की समीक्षाः डीएम डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने किया नगर पालिका परिषद का निरीक्षण

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। जनपद के लोकप्रिय एवं कर्मठ जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने नगर पालिका परिषद सम्भल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ़-सफ़ाई, जल निकासी, सड़क मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था तथा चल रहे विकास कार्यों की गहन समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर चौधरी मुशीर अली खान (एआईएमआईएम चेयरमैन पति) भी मौजूद रहे। उन्होंने नगर के विकास और जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया। उनकी सक्रियता और जनसमस्याओं के प्रति सजगता की सराहना की गई। निरीक्षण में अधिशासी अधिकारी मढ़ी भूषण तिवारी भी साथ रहे। उन्होंने नगर में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया और आश्वस्त किया कि सभी कार्य गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ समयबद्ध पूर्ण किए जाएंगे। सम्मानित सभासदों की उपस्थिति में यह निरीक्षण जनभागीदारी और प्रशासनिक पारदर्शिता का सशक्त उदाहरण बना। जिलाधिकारी डॉ. पेंसिया की कार्यशैली, चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान की जनसेवा भावना और अधिशासी अधिकारी मढ़ी भूषण तिवारी की प्रतिबद्धता ने यह स्पष्ट कर दिया कि सम्भल नगर को विकास की नई दिशा देने के लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधि पूरी निष्ठा से कार्यरत हैं।

2027 UP चुनाव पर फोकसः हाजी मोहम्मद फैसल ने अखिलेश यादव से मुलाकात कर बिजनौर-नजीबाबाद की मजबूत स्थिति बताई

» हाजी मौहम्मद फैसल ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को शॉल ओढाकर सम्मान दिया

लोकतंत्र की शान, नजीबाबाद (खिज़र अहमद)

नजीबाबाद। नगर के वरिष्ठ समाजवादी नेता व पूर्व नगर अध्यक्ष सपा हाजी मौहम्मद फैसल ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से लखनऊ कार्यालय पर मुलाकात कर शॉल भेट करते हुए जिले की राजनीति पर चर्चा की। इस मौके पर उन के साथ पूर्व जिलाध्यक्ष बिजनौर समाजवादी पार्टी जमील अंसारी व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पति रफी सैफी भी साथ मे मौजूद रहे। पूर्व नगर पालिका परिषद नजीबाबाद अध्यक्ष पद प्रत्याशी, वरिष्ठ समाजसेवी, पूर्व नगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी नजीबाबाद हाजी मौहम्मद फैसल ने लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंच कर अपने प्रिय नेता सपा सुप्रीमो ,सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से शिष्टाचार भेट की। इस मौके पर हाजी मौहम्मद फैसल ने अखिलेश यादव को एक कश्मीरी पशमीना शॉल पहनाकर सम्मान दिया। इस मौके पर हाजी मौहम्मद फैसल ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से 2027 में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के बारे में जिला बिजनौर की स्थित के बारे में विस्तार से अवगत कराते हुए कहा कि सपा की जिले में स्थिति बहुत मजबूत है। जिले का युवा बडी संख्या में सपा से जुड़ा हुआ है। वही विधानसभा नजीबाबाद में सपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगी। इस मौके पर हाजी मौहम्मद फैसल के साथ पूर्व जिलाध्यक्ष बिजनौर समाजवादी पार्टी जमील अंसारी व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पति रफी सैफी भी साथ मे मौजूद रहे।

टी.ई.टी अनिवार्यता के विरोध में उत्तर प्रदेश के मान्यता प्राप्त सभी शिक्षक संघ एक मंच पर

लोकतंत्र की शान, देवेंद्र सिंह

सीतापुरः उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष - जिलाध्यक्ष रवींद्र दीक्षित की अध्यक्षता में सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों की बैठक बिजवार स्थित शिक्षक भवन में हुई बैठक में टी.ई.टी. अनिवार्यता होती है प्रदर्शन करेंगे लेकिन के विरोध में टीचर फ़ेडरेशन आफ इंडिया के बैनर तले आयोजित आंदोलन की निम्नलिखित रूपरेखा निर्धारित की गई। दिनांक 22 फरवरी 2026 को अपराह्न 2:00 बजे से 4:00 बजे तक एक साथ ट्विटर पर हैशटैग अभियान संचालित किया जाएगा। दिनांक 23 फरवरी 2026 से 25 फरवरी 2026 तक विरोध स्वरुप सभी शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करेंगे। दिनांक 26 फरवरी 2026 को अपराह्न 1:00 बजे से 4:00 बजे तक संबंधित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय पर धरना देकर बीएसए कार्यालय से जिला अधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए जिला अधिकारी के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। मार्च के तीसरे सप्ताह में नई दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली करके भारत सरकार को ज्ञापन दिया जाएगा। उपरोक्त प्रायोजित प्रस्ताव को की रूपरेखा पढ़कर सुनाई गई जिसका सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संघ के संगठनों के सभी पदाधिकारी ने समर्थन किया। इस बैठक में पंकज अवस्थी पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ मांडलिक महामंत्री, मनीष रस्तोगी जिला अध्यक्ष जूनियर शिक्षक संघ सीतापुर, आराध्य शुक्ल जिला मंत्री जूनियर शिक्षक संघ सीतापुर, राधा प्रजापति जिला अध्यक्ष महिला शिक्षक संघ, नवीन श्रीवास्तव जिला कोषाध्यक्ष, पुनीत शुक्ला "जीतू" जिला संयुक्त मंत्री, मदन लाल गौतम जिला संगठन मंत्री, विवेक पण्डित जिला मीडिया प्रभारी, विनय गिहार मंत्री हरगांव, ज्योति पाण्डेय जिला उपाध्यक्ष , श्रद्धा कटियार जिला मीडिया प्रभारी महिला शिक्षक संघ समेत महत्वपूर्ण शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गोमती पुनरुद्धार की ऐतिहासिक पहल, 'क्लीन गोमती 2026' से तय होगा स्वच्छ और अविरल भविष्य

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। राज्य परिवर्तन आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आज लखनऊ में राज्यस्तरीय कार्यशाला "Revitalizing the Lifeline: Clean Gomti 2026" का आयोजन किया गया। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व एवं राज्य परिवर्तन आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला ने गोमती नदी के पुनरुद्धार की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल की ठोस नींव रखी। इस व्यापक और बहुआयामी कार्यशाला का उद्देश्य गंगा की प्रमुख सहायक नदी गोमती को प्रदूषण मुक्त, स्वच्छ, सतत और जीवनदायिनी स्वरूप में पुनर्स्थापित करने हेतु एक समग्र, वैज्ञानिक, व्यावहारिक और दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना

रहा, ताकि नीति निर्माण से लेकर जमीनी क्रियान्वयन तक एक सुदृढ़, समन्वित और प्रभावी कार्ययोजना विकसित की जा सके। कार्यशाला में नीति निर्माण, वित्तीय रणनीति, तकनीकी समाधान, संस्थागत ढांचा, संचालन प्रणाली और नागरिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन हुआ। इसमें राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्योग प्रतिनिधि, शिक्षाविद, पर्यावरणविद, सामाजिक संगठन और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की। उद्घाटन सत्र में मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री मनोज कुमार सिंह ने स्वागत संबोधन एवं विषय प्रवर्तन प्रस्तुत करते हुए गोमती नदी के पुनरुद्धार की आवश्यकता, वर्तमान चुनौतियों और दीर्घकालिक समाधान की दिशा पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात राज्यसभा सांसद एवं प्रख्यात पर्यावरणविद् संत बलबीर सिंह सीचेवाल, 'वाटरमैन ऑफ इंडिया' के रूप में विख्यात तरुण भारत संघ के संस्थापक श्री राजेन्द्र सिंह तथा भारतीय सेना के सेंट्रल कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा ने नदी संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बताते हुए इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने पर बल दिया। विशेष संबोधन में लखनऊ नगर निगम की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने शहरी स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवेज नियंत्रण और नागरिक सहभागिता के माध्यम से गोमती को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए नगर निगम की प्रतिबद्धता दोहराई।

माहे रमजान के पहले जुमे पर मस्जिदों में भारी संख्या में नवाजियों ने पहुंचकर नवाज अदा की

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : शुक्रवार को माहे रमजान के पवित्र महीने के पहला जुम्में पर नगर की जामा मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों पर भारी संख्या में पहुंचे नवाजियों ने पूरी शिद्दत के साथ शहर एवं मुल्क में शांति की कामना करते हुए नवाज अदा की, रमजान के पहले जुमे पर रोजेदारों में खास उत्साह देखा गया रोजेदारों ने बताया कि यह पाक महीना रहमतों और बरकतों से भरपूर है उन्होंने अल्लाह से मुल्क में शांति और अमन की दुआ मांगी है वही रोजेदारों ने एक दूसरे को पहले जुमे की मुबारकबाद भी दी, बताते चलें कि बीते गुरुवार से मुस्लिम समुदाय का विशेष माह माहे रमजान का महीना प्रारंभ हो गया जिसको लेकर बाजार में खरीदारी करने वालों की भारी भीड़ भी नजर आ रही है, उधर दूध, फल, सब्जी, मीट, मछली, अंडे आदि के दाम भी पहले से बढ़ गए हैं जिनको लेकर गरीब तबके के रोजेदारों ने चिंता व्यक्त की है वही मस्जिदों में सभी से भाईचारे के साथ एवं एक दूसरे के साथ सहयोग भावना बनाए रखने और शांतिपूर्ण रूप से रमजान रखने एवं त्योहार को मनाए जाने की अपील भी की गई,उधर नगर पालिका द्वारा शहर के साथ-साथ सभी मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था की गई एवं चूने का छिड़काव कराया गया वहीं सुरक्षा की दृष्टि से क्राइम इंस्पेक्टर अमरपाल सिंह एवं वरिष्ठ सब इंस्पेक्टर अमित कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

भीषण आग पर काबूः थाना हज़रत नगर गढ़ी पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी संभल–सिरसी–मुरादाबाद रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक चलती ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि ट्रक में केमिकल और कूलर में इस्तेमाल होने वाली घास भरी हुई थी। आग इतनी तेज़ थी कि लपटें दूर से दिखाई देने लगीं। राहगीरों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ट्रक चालक को सूचना दी कि उसके वाहन में आग लगी हुई है, जिसके बाद चालक ने तुरंत ट्रक को सड़क किनारे रोका। आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की गाड़ियों को बुलाया गया। काफी मशक्कत और कड़ी मेहनत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक में रखा केमिकल और कूलर की घास जलकर राख हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही सुधीर पवार थाना प्रभारी हज़रत नगर गढ़ी, पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उनकी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से सड़क पर यातायात को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित किया गया और किसी भी बड़े हादसे को टाल दिया गया। थाना प्रभारी की सक्रियता, सूझबूझ और नेतृत्व क्षमता एक बार फिर क्षेत्रवासियों के लिए भरोसे का प्रतीक बनकर सामने आई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते की गई कार्रवाई से बड़ा नुकसान होने से बच गया। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के प्रति थाना हज़रत नगर गढ़ी पुलिस की प्रतिबद्धता एक मिसाल बनती जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही या पैसों का खेल जो बिना रजिस्ट्रेशन संचालित हॉस्पिटल ले रहे मरीजो की जान

लोक तंत्र की शान, देवेंद्र सिंह

सीतापुर/ क़स्बा खैराबाद में बिना रजिस्ट्रेशन संचालित हॉस्पिटल में डॉक्टर की लापरवाही से मरीज की मौत हो गई बताया जा रहा है की क़स्बा खैराबाद मे संचालित वेदांता नर्सिंग होम में 52 वर्षीय पुत्तीलाल निवासी बेनीपुर की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई परिजनों का आरोप है कि मरीज के पेट मे दर्द हो रहा था जिन्हे हॉस्पिटल में लाया गया दर्द काफ़ी तेज था इसलिए मरीज संतुलन खो रहा था जिस कारण डॉक्टर के द्वारा मरीज को थप्पड़ भी मारे गए और गलत इंजेक्शन से मौत हो गई !हालांकि परिजनों में मौत का मातम छाया हुवा है

क्या बोले बाबा बजरंग मुनी दास- हॉस्पिटल मे मरीज की मौत की सूचना पाकर पहुंचे बाबा बजरंग मुनी दास ने जनपद के जिम्मेदार स्वास्थ्य महकमे पर काफी प्रसंचिन्ह लगाते हुए कहा है कि सीएमओ कार्यालय में बड़े पैमाने पर भृष्टाचार कायम है रिस्वत का खेल खेला जा रहा है लापरवाह कार्यशैली के चलते मरीजो के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा और मौते हो रही है अगर डॉक्टर के विरुद्ध कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई तो हम शव के साथ सीएमओ कार्यालय जाकर धरना करेंगे महंत ने यह भी कहा है कि सीएमओ कार्यालय में एक मुस्लिम समाज के बाबू हैं जिनके संरक्षण में यह खेल खेला जा रहा है ! वही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसी हॉस्पिटल में दो दिन पूर्व एक प्रसूता की इलाज के दौरान मौत हो गई थी जिस मामले को जैसे तैसे गोलमोल कर दिया गया अब हकीकत क्या है जिसके अंश छुपे हुए है ! हालांकि जानकारी के अनुसार वेदांता नर्सिंग होम जो पहले अपोलो हॉस्पिटल के नाम से जाना जाता था बताया जा रहा है की कई वारदाताओ से हॉस्पिटल का नाम बदनाम होता देख वेदांता नर्सिंग होम रखा गया जिसका रजिस्ट्रेशन भी नहीं है ! खास बात वेदांता नर्सिंग होम पूर्व के दिनों में सीज भी किया गया था लेकिन विभाग की मिलीभगत से पर्दे के अंदर इलाज जारी था और इलाज के दौरान मरीजों की मौत हो गई ऐसा बताया जा रहा है !ऐसे में सवाल यह है कि हॉस्पिटल में हुई मरीज की मौत का आखिर जिम्मेदार कौन है हॉस्पिटल पर पूर्व में हुई विभागीय कार्यवाही आखिर बे असर क्यों जो विना रजिस्ट्रेशन के पुनः संचालित हॉस्पिटल में किए गए इलाज और इलाज के दौरान मौत जो एक बड़ा सवाल है ! ऐसे में जनपद के जिम्मेदार क्या लेंगे संज्ञान।

संक्षिप्त समाचार

उमानाथ मंदिर में व्यक्ति को जमकर पीटा, बच्चा चोरी का लगाया आरोप, भीड़ ने पुलिस के सामने पीटा

पटना। बाढ़ अनुमंडल के उमानाथ मंदिर में बच्चा चोरी के आरोप में एक व्यक्ति को भीड़ ने जमकर पीटा। घटना के दौरान पुलिस के पहुंचने पर भी भीड़ ने उस व्यक्ति पर हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी निशाना बनाया।यह घटना तब सामने आई, जब उमानाथ मंदिर के पास एक स्थानीय युवक ने एक अज्ञात व्यक्ति को मोहल्ले के एक बच्चे का हाथ पकड़कर ले जाते देखा। संदेह होने पर युवक ने उस व्यक्ति से पूछताछ की। आरोपी ने बच्चे को चॉकलेट देने और उसके पिता के पास ले जाने का बहाना बनाया। देखते ही देखते सैकड़ों स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। भीड़ ने पहले तो बच्चा चोरी के आरोपी की जमकर पिटाई की। बाद में उसकी जान बचाने के लिए उसे पास के एक कमरे में बंद कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना 112 नंबर पर पुलिस को दी। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही आरोपी को किसी तरह भीड़ से बचाकर बाहर निकाला गया। जैसे ही पुलिस उसे गाड़ी में बिठाने लगी, भीड़ ने दोबारा उस पर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस ने व्यक्ति को बचाने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित भीड़ को नियंत्रित नहीं कर पाई। भीड़ ने व्यक्ति को ले जाते समय पुलिस की गाड़ी पर भी हमला किया। पुलिस किसी तरह आरोपी को भीड़ से बचाकर गाड़ी में ले जाने में सफल रही। आरोपी ने अपना नाम बमभोले और घर बख्तियारपुर के बाहापर बताया है। बाढ़ थानाध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह ने बताया कि आरोपी का नाम और घर वेरिफाई किया जा रहा है, उसका थाना क्षेत्र से संपर्क किया जा रहा है।

पटना नगर निगम के पार्षदों के साथ बैठक, नई विज्ञापन पॉलिसी पर होगी तीखी बहस

पटना। पटना नगर निगम के निगम पार्षद की चतुर्थ विशेष बैठक आज पटना में आयोजित की गई है। इस बैठक में निगम के नई विज्ञापन पॉलिसी पर चर्चा की जाएगी। पिछली बोर्ड की बैठक में इस पॉलिसी को लेकर जमकर हंगामा हुआ था, जिसके बाद एक विशेष बैठक बुलाकर इस मुद्दे पर फिर से विचार करने की बात कही गई थी। बोर्ड बैठक में पार्षदों ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि प्रस्ताव को पारित करने से पहले उन्हें जानकारी नहीं दी गयी थी। आज की बैठक में विपक्षी पार्षद इस संशोधन पर सवाल खड़े करने की तैयारी में हैं। विज्ञापन पॉलिसी का उल्लंघन कर होर्डिंग या विज्ञापन लगाने वालों पर 100 से 200 प्रतिशत तक जुर्माना लगाने का नियम था। इसे अब हटा दिया गया है। इसकी जगह सशक्त स्थायी समिति को कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है। संशोधित पॉलिसी में कहा गया है कि नगरपालिका अधिनियम-2027 के तहत विज्ञापन पॉलिसी के नियमों के उल्लंघन पर सुसंगत कार्रवाई होगी। पार्षदों का तर्क है कि जुर्माने का प्रावधान हटने से अवैध होर्डिंग्स पर नियंत्रण और कमजोर हो जाएगा। राज्य सरकार ने नगरपालिका क्षेत्र विज्ञापन नियमावली- 2025 के संशोधन पर मुहर लगा दी है। पटना नगर निगम समेत सभी निकायों को संशोधित नियमावली-2025 का ड्राफ्ट भेजा गया है। अब सभी निकाय इसपर अपनी सहमति देंगे। इसके बाद यह लागू होगा। नियमावली में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। खासकर आउटडोर विज्ञापन लगाने वालों पर जुर्माने के प्रावधान को हटाना शामिल है। विज्ञापन पॉलिसी लंबे समय से लागू न होने के कारण शहर में बेतरतीब होर्डिंग्स और बैनरों की भरमार है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर ऊंची इमारतों पर भारी लोहे के ढांचे खड़े किए जा रहे हैं। विज्ञापन पॉलिसी नहीं होने से पटना नगर निगम को बीते करीब दस वर्षों से राजस्व नहीं मिल पा रहा है। अनुमान के मुताबिक हर साल 50 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो रहा है।

फतुहा में कंटेनर ने ऑटो को मारी टक्कर, एक मजदूर की मौत, तीन घायलों का चल रहा इलाज

पटना। पटना के फतुहा थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित आरओबी के समीप गुरुवार की देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार अनियंत्रित कंटेनर ने सवारी से भरे ऑटो में इतनी जोरदार टक्कर मारी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद फोरलेन पर करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसे हटाने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इट भट्ठे में काम करने वाले पप्पू कुमार ने बताया कि फतुहा के मालबीघा गांव के कुछ निवासी वैशाली जिले के राघोपुर (मिर्जापुर) स्थित एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। गुरुवार की शाम करीब सात-आठ लोग एक ऑटो पर सवार होकर अपने गांव मालबीघा से राशन और अन्य जरूरी सामान लेकर वापस भट्ठे पर जा रहे थे। जैसे ही ऑटो फोरलेन आरओबी से पटना की ओर मुड़ा, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। इस हादसे में मालबीघा निवासी 35 वर्षीय मितरंजन मांझी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घायलों में शरीफा देवी (45 वर्ष),योगेंद्र मांझी (40 वर्ष) और ऑटो चालक भूषण कुमार (35 वर्ष) शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फतुहा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई शुभम कुमार ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी घायलों को इलाज के लिए पटना के एनएमसीएच भेजा है, वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। हादसे के बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ऑटो और कंटेनर को जब्त कर लिया है। इधर, जैसे ही घटना की खबर परिजनों तक पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्वजनों का कहना है कि घर के कमाऊ सदस्यों के साथ हुए इस हादसे ने उनकी दुनिया उजाड़ दी है। पुलिस फिलहाल मामले की आगे की कार्रवाई में जुटी है।

जींद में महिला अपने बेटे के साथ लापता, बिहार से पति संग भाई के पास आई थी

पटना। जींद की विश्वकर्मा कॉलोनी से एक 25 वर्षीय महिला अपने 4 साल के बेटे के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। महिला अपने पति के साथ बिहार से जींद में अपने भाई के पास आई हुई थी। परिवार के सदस्यों के घर पर मौजूद होने के बावजूद, वह चुपचाप अपने बच्चे को लेकर निकल गई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। मूल रूप से पटना (बिहार) के रहने वाले नीरज कुमार ने पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि उनकी बहन शिवानी कुमारी और जीजा अनीस कुमार कुछ समय से उनके पास जींद में रह रहे थे। यह घटना 18 फरवरी 2026 को सुबह करीब 11:03 बजे हुई। परिवार के सभी सदस्य घर के बरामदे में बैठे थे। इसी दौरान शिवानी अपने 4 साल के बेटे अंशुमन को साथ लेकर बिना किसी को बताए घर से चली गई। हैरानी की बात यह है कि शिवानी अपना मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ गई है, जिससे उससे संपर्क करना असंभव हो गया है। परिजनों ने अपनी सभी रिश्तेदारियों और आसपास के इलाकों में मां-बेटे की तलाश की, लेकिन 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला है। जींद झांझ गेट चौकी इंचार्ज के निर्देशानुसार, ASI वीरेंद्र कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने नीरज कुमार की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 127(6) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। दूसरी तरफ पिल्लूखेड़ा मण्डी के कालवा रोड निवासी राजेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी 18 वर्षीय बेटी गुरुवार (19 फरवरी) को गांव कालवा में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकली थी। कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी जब वह देर रात तक घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। उसने बताया कि उसकी बेटी का कद 5.6 फुट है, रंग गोरा और चेहरा गोल है। लापता होने के समय उसने पीले रंग का सलवार-कमीज पहना हुआ था। थाना पिल्लूखेड़ा पुलिस ने धारा 127(6) BNS के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'जनता के लिए गंभीर नहीं विपक्ष'

सम्राट चौधरी बोले- सुशासन सरकार है, हर थाने में लग रहा जनता दरबार

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा के बजट सत्र का 14वां दिन है। विधानसभा में आज डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता के लिए विपक्ष गंभीर नहीं है। अपराधियों पर कार्रवाई हो रही है तो उनके पेट में दर्द हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में सुशासन की सरकार है। हर थाने में जनता दरबार लगाए जा रहे हैं। इसका रिपोर्ट भी लिया जा रहा है। प्रमंडल से लेकर जिला स्तर पर STF की तैनाती की गई है। पुलिस को खुली छूट दी गई है। हालांकि, सदन में सम्राट चौधरी अपनी बात रख रहे थे, तभी विपक्षी सदस्य वाक आउट कर सदन से बाहर निकल गए।

लालू राज में जेल से हुकूमत चलती थीः डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, राजद के समय जेल से हुकूमत चलती थी। नीतीश कुमार ने इस व्यवस्था को बदला है। अब सभी जेलों में सीसीटीवी कैमरा लगाकर ऑनलाइन चेक किया जा रहा है। अपराधी से कौन-कौन मिल रहा, इस पर पूरी नजर रखी जा रही है। बिहार पहला राज्य है, जहां जेल के अंदर सबसे ज्यादा अपराधी पढ़ाई करता है। 1256 बंदी 10वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए हैं।

बिहार पुलिस में पुलिस दीदी का गठन होगाः डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार पुलिस में अब पुलिस दीदी का गठन किया जाएगा। 1500 स्कूटी और 2.5 हजार बाइक खरीदे जाएंगे। राज्य के सभी पुलिस लाइन में जीविका दीदी रसोई की शुरुआत की जाएगी। सभी पुलिस लाइन में एक स्कूल खोला जाएगा। अग्निवीर के जवानों को आरक्षण के तहत नियुक्ति दी जाएगी। इससे पहले माले विधायक संदीप सौरभ ने कहा कि UGC एक्ट का विरोध गलत है। उच्च शिक्षण संथानों में जातिवाद-भेदभाव को खत्म करने के लिए इस नियम को लागू करना जरूरी है। संदीप सौरभ ने कहा कि ब्राह्मणवाद मानसिकता के लोग इसे लागू नहीं होने देना चाहते। स्पीकर ने ब्राह्मण शब्द को प्रोसीडिंग से हटाने का निर्देश दिया। संदीप सौरभ के बयान के बाद सदन में हंगामा होने लगा। बीजेपी विधायक मिथिलेश तिवारी ने कहा कि,विपक्ष को ब्राह्मणवाद समझ नहीं आता। ब्राह्मण के बिना ना शादी होती है ना श्राद्ध। एक ब्राह्मण ने ही भिक्षा मांग कर काशी विश्वविद्यालय बना दिया। यहां ना जाने कितने छात्र पढ़ते हैं और इन्हें ब्राह्मण खराब लगते हैं। तीनों लोक के स्वामी भगवान कृष्ण ने भी आंसू से ब्राह्मण के पैर धोए थे।

राबड़ी देवी ने कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा हमला कियाः वहीं, विधान परिषद में राबड़ी देवी ने कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "बिहार में छोटी-छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं और कई मामलों में हत्या भी की जा रही है।" राबड़ी देवी ने दावा किया कि फरवरी महीने में 35 लड़कियों के साथ ऐसी घटनाएं हुई हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि इन मामलों में अब तक क्या कार्रवाई की गई है और दोषियों के खिलाफ क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इधर, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 15 दिन बाद सदन की कार्यवाही में शामिल हुए, लेकिन 20 मिनट बाद वो सदन से निकल भी गए। विधानसभा पोर्टिको में आज भी राजद विधायकों ने हाथ में बैनर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बैनर पर लिखा था कि- हत्या में नंबर वन बिहार।

पटना में गाड़ी से 18 लाख रुपए कैश मिले, 2 लोग पकड़ाए

एजेंसी, पटना

- बार-बार बदल रहे बयान, हवाला के पैसे होने की आशंका

पटना के दीघा थाना क्षेत्र के दीघा TOP के पास वाहन चेकिंग के दौरान कैश बरामद किया गया है। TOP पर मौजूद कर्मी रूटिंग गाड़ी चेक कर रहे थे। एक वाइट कलर की गाड़ी आई। हाथ देकर कर्मियों ने उसे रोक सर्च किया तो गाड़ी से 2 लाख कैश मिले। अंदर 2 लोग मौजूद थे। थाने पर लाकर जब तलाशी ली गई तो कुल, 18,05000 कैश मिले। फिलहाल गाड़ी और रुपये जब्त कर लिए गए हैं।

ASP लॉ एंड ऑर्डर 2 दिव्यांजलि ने बताया कि आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक गाड़ी रोकी गई और उसकी तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान भारी मात्रा में कैश बरामद किए गए। दोनों से जब इस सिलसिले में पूछताछ की गई तो अलग-अलग जवाब मिले। गाड़ी में दो लोग सवार थे जो सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। एक का नाम मोहम्मद सद्दाम और दूसरे का पंकज है।

दोनों बार-बार बदल रहे बयानः पुलिस की पूछताछ में उन्होंने पहले कहा कि झारखंड से रुपए लेकर आ रहे हैं। फिर कुछ देर के बाद कहा कि पटना में एक भैया हैं, उन्हीं का रुपया है। तीसरी बार कहा कि घर पर शादी है। इसी में रुपए ले जा रहे हैं। जितनी बार भी पूछताछ हुई, उतनी बार अलग-अलग जवाब मिले। पुलिस ने इसकी सूचना इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दे दी है। इनके पास पैसे कहां से आए, इसके बारे में पता लगाया जा रहा है। आशंका है कि यह हवाला के रुपए हो सकते हैं। वाहन चेकिंग के दौरान TOP के प्रभारी समेत दीघा थानेदार संजीव कुमार भी मौजूद रहे।

पटना हाईकोर्ट में अत्याधुनिक ई-फाइलिंग सेंटर का शुभारंभ

एजेंसी, पटना

- अधिवक्ता ऑनलाइन वाद कर सकेंगे फाइल, न्यायमूर्ति बोले- पेपरलेस कोर्ट की ओर बेहतर कदम

बिहार की न्यायिक व्यवस्था ने डिजिटल बदलाव की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। पटना हाई कोर्ट में शुक्रवार को तकनीक से युक्त नव-निर्मित ई-फाइलिंग सेंटर का विधिवत उद्घाटन माननीय मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू ने किया। इस पहल को न्यायालयों के आधुनिकीकरण और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह में न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद सहित कई न्यायाधीश, अधिवक्ता एवं न्यायालय कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान न्यायालय परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। नया ई-फाइलिंग सेंटर अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस है। यहां अधिवक्ता ऑनलाइन माध्यम से वादों की फाइलिंग कर सकेंगे, जिससे समय की बचत होगी और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी। अब दस्तावेजों की हार्ड कॉपी जमा करने की बाध्यता कम होगी और लंबी कतारों से राहत मिलेगी। इससे न्यायिक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। इस मौके पर न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू के नेतृत्व में न्यायिक प्रणाली निरंतर आधुनिक हो रही है। उन्होंने कहा कि ई-फाइलिंग सेंटर "पेपरलेस कोर्ट" की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बिहार के एडवोकेट जनरल P. K. Shahi ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि न्यायिक व्यवस्था में तकनीक का समावेश समय की मांग है और इससे आम वादकारियों को सीधा लाभ मिलेगा।

'एसएसपी पटना मेरी सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे'

एजेंसी, पटना

- पप्पू यादव ने पूछा-मुझसे कैसी घृणा, क्या बिहार आना गुनाह, बीएमपी जवानों को वापस बुलाने का आरोप

नीट छात्रा रेप-मौत मामले को लेकर लगातार हमलावर रुख अपनाए हुए पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने अब अपनी सुरक्षा पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए उन्होंने पटना के पुलिस अधीक्षक यानि SSP पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने लिखा कि, 'SSP पटना चाहते हैं कि मैं लोगों की सेवा और मदद के लिए बिहार न आऊं। मेरी Y श्रेणी सुरक्षा में तैनात BMP जवानों को फोन कर वापस बुलाया जा रहा है। मुझसे कैसी घृणा है? माफिया मुझसे परेशान हैं और SSP उनकी राह आसान कर रहे हैं।'

फेसबुक लाइव में पुलिस प्रशासन पर तीखा हमलाः गुरुवार रात पप्पू यादव ने फेसबुक लाइव आकर भी बिहार पुलिस प्रशासन पर कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, 'राज्य में लगातार बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं और नीट छात्रा के मामले में सच्चाई दबाने की कोशिश की जा रही है।' सांसद ने दावा किया कि, 'उन्होंने छात्रा का शैक्षणिक रिकॉर्ड देखा है- 10वीं में 84%, 12वीं में 64% और नीट में 384 अंक।' उन्होंने कहा कि, 'ऐसी प्रतिभावान छात्रा को "पढ़ाई में कमजोर" बताकर बदनाम किया जा रहा है।' पप्पू यादव ने यह भी आरोप लगाया कि, 'पीड़िता के परिवार को दो-दो बार धमकी मिली और जब परिवार ने शंभू गर्ल्स हॉस्टल के खिलाफ केस दर्ज कराया तो जांच को भटकाने की कोशिश की गई।' उन्होंने हॉस्टल की मालिक नीलू अग्रवाल और उनके बेटे अंशु अग्रवाल का नाम लेते हुए कार्रवाई की मांग की।

गिरफ्तारी और जांच पर उठाए सवालः पूर्णिया सांसद ने सिटी एसपी पूर्वी और एसएसपी पटना से पूछा कि, 'मनीष नामक व्यक्ति को किस आधार पर और किस धारा में गिरफ्तार किया गया।' उन्होंने सवाल किया कि, 'नीलू अग्रवाल को अब तक जेल क्यों नहीं भेजा गया, जबकि वह अस्पताल भी गई थीं।' पप्पू यादव ने कहा कि 'वार्डन और गार्ड इस पूरे मामले के मुख्य आरोपी हैं।' उन्होंने दावा किया कि 'घटना रात 10 बजे के बाद और सुबह 4 बजे के बीच हुई।' उनके अनुसार, 'वार्डन और गार्ड की भूमिका संदिग्ध है और घटना छात्रा के बेड के नीचे या चौथी मंजिल पर हुई हो सकती है।'

अस्पताल पर भी गंभीर आरोपः पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि, 'छात्रा को अस्पताल में मार दिया गया।' उन्होंने कहा कि, 'प्रभात मेमोरियल और अन्य अस्पतालों में उसे कई इंजेक्शन दिए गए।' उनका दावा है कि 'बिना माता-पिता की अनुमति के प्रेग्नेंसी की जांच की गई।' उन्होंने पूछा कि 'क्या कानून इसकी अनुमति देता है? उन्होंने डॉक्टरों, वार्डन, गार्ड और अन्य संबंधित लोगों के मोबाइल कॉल डिटेल्स सार्वजनिक करने की मांग की। सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि, 'एक नर्स ने उन्हें सच्चाई बताई, जिसके बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया।' उनका कहना है कि 'करोड़ों रुपये देकर इस केस को दबाने की कोशिश हो रही है।'

CBI जांच और साक्ष्यों पर सवालः पप्पू यादव ने पूछा कि, 'छात्रा की मूल डायरी CBI को क्यों नहीं सौंपी गई और केवल फोटो कॉपी क्यों दी गई।' उन्होंने परिवार को पूरी सीसीटीवी फुटेज और हार्ड डिस्क उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही कहा कि 'सभी डॉक्टरों को एक साथ बुलाकर यह स्पष्ट किया जाए कि दुष्कर्म हुआ या नहीं।'

आत्महत्या नहीं, यह सुनियोजित हत्या- पप्पू यादवः इससे पहले भी सांसद फेसबुक लाइव में इस घटना को आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या बता चुके हैं। उन्होंने कहा कि 'वह इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे और किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे।' उन्होंने बिहार के गृह मंत्री से भी सीसीटीवी फुटेज की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। नीट छात्रा रेप-मौत मामले में पप्पू यादव के लगातार हमलों और गंभीर आरोपों के बाद अब सभी की नजर पुलिस और जांच एजेंसियों की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

पटना यूनिवर्सिटी के आउटसोर्स कर्मचारियों का विरोध, प्रदर्शनकारी बोले-5 महीने से नहीं मिली सैलरी

एजेंसी, पटना

- 5 साल से वेतन में की कटौती, अब जाएंगे लेबर कोर्ट

पटना यूनिवर्सिटी के आउटसोर्स कर्मचारी ने आज विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पिछले 5 महीने से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही है। उनका आरोप है कि 5 साल से वेतन में कटौती करके दी जा रही है। इसमें कंप्यूटर ऑपरेटर, एमटीएस वाले, स्वीपर, टेक्नीशियन सहित ग्रेड-3 और ग्रेड-4 के सभी कर्मी शामिल है। उनकी यह भी शिकायत है कि पटना यूनिवर्सिटी में काम एक नियमित कर्मा की तरह लिया जाता है, मगर कोई भी समस्या बताने पर हमें आउटसोर्स से कर्मी कहकर बात नहीं सुनी जाती है। इसलिए हम लोग अब लेबर कोर्ट तक जाएंगे।

सैलरी मांगने पर झूठा आश्वासन दिया जाता है- सूरज कुमारः परीक्षा विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर सूरज कुमार ने कहा कि, 'पटना विश्वविद्यालय में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों को करीब 5 महीने से सैलरी नहीं दी जा रही है। एजेंसी वालों को कहने पर हमें कहा गया कि एग्रीमेंट नहीं हुआ है। कुछ लोगों को सैलरी आई भी तो उसमें कटौती कर दी गई।' कंप्यूटर ऑपरेटर सूरज ने आगे कहा, 'हम वाइस चांसलर और रजिस्ट्रार से भी मिले हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। एजेंसी वाले भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। जब भी हम सैलरी को लेकर बात करते हैं तो आज और कल आने का झूठा आश्वासन दिया जाता है।'

2018 से अब तक बोनस नहीं देने के आरोपः सभी कर्मियों ने कुलपति को भी एक पत्र लिखा है। उन्होंने जानकारी दी की 1 सितंबर 2021 से अब तक का वेतन काटकर भुगतान किया गया है। हम सभी कर्मियों का पिछले 2018 से वेतन अंतर राशि का भुगतान नहीं हुआ है। जबकि बिहार सरकार द्वारा अभी तक 13 बार गजट आया पर विश्वविद्यालय ने मात्र 3 बार मानदेह बढ़ाया है। हम लोगों के वेतन से सेवा शुल्क 18 प्रतिशत जीएसटी काटा जाता है, जबकि बिहार सरकार द्वारा कोई नोटिस नहीं है। एजेंसी पर सेवा शुल्क लगता हैं और ना कि कर्मियों पर कोई सेवा शुल्क लगता हैं। 2018 से अभी तक बोनस नहीं मिला है। सितम्बर 2021 से अबतक सैलरी स्लिप नहीं मिला है।

राबड़ी बोलीं-मैट्रिक परीक्षार्थी की मौत के दोषियों पर कार्रवाई हो

एजेंसी, पटना

बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा का आज चौथा दिन है। आज दोनों पाली में सोशल साइंस के पेपर थे। आरा में क्षत्रिय उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर एक स्टूडेंट ने कॉपी नहीं दिया तो पहली पाली की परीक्षा खत्म होने के बाद उसपर हमला कर दिया। इस हमले में छात्र का सिर फूट गया है। इस घटना से परीक्षा केंद्र के बाहर अफरा-तफरी मच गई। घायल छात्र की पहचान बड़हरा थाना क्षेत्र के चातर गांव के रहने वाले राहुल भारती के रूप में हुई है। उसका इलाज चल रहा है।

वहीं मसौढ़ी की मैट्रिक परीक्षार्थी की आत्महत्या का मामला गुरुवार को विधानमंडल में उठा। विपक्षी सदस्यों ने प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारे लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने छात्रा की मौत के दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कही। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि वे इस पूरे मामले की समीक्षा करेंगे। संज्ञान लेंगे। जो भी दोषी हैं और क्या सुधारात्मक कार्रवाई की जाए, उस पर ध्यान देंगे। फैक्ट ऑफ दि केस की समीक्षा करेंगे। जो उचित होगा, निर्णय लेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि मैट्रिक परीक्षा में थोड़ी देर होने के कारण छात्र-छात्राओं को परीक्षा देने से रोक दिया जा रहा है।

विविधता भारत की पहचान, एकरूपता से बगीचा खराब होगा

एजेंसी, पटना

लोजपा रामविलास सांसद अरुण भारती ने मोहन भागवत के 'घर वापसी' संबंधी बयान पर उन्हें नसीहत दी है। अरुण भारती ने कहा कि, 'भारत एक ऐसा बाग है, जहां सभी तरह के फूल है। कौन कहां से आया, हम लोग इस विवाद में पड़ना नहीं चाहते।' अरुण भारती ने कहा, 'भारत की पहचान उसकी विविधता है। अलग-अलग विचार, अलग-अलग संस्कृति और अलग-अलग समुदायों का सम्मान होना चाहिए। यदि पूरे देश को एक ही रंग में रंगने की कोशिश होगी तो पूरा बगीचा ही खराब हो जाएगा।'

उन्होंने आगे कहा कि, 'भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखना ही देश की मजबूती है, और सभी विचारधाराओं को अपना स्थान मिलना चाहिए।' अरुण भारती ने शशि थरूर द्वारा AI समिट पर टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दिया है। उन्होंने कहा कि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के साथ-साथ भारत में उभरती प्रारंभिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में देश "दिव्य गति" से प्रगति कर रहा है। किसी एक संस्थान की त्रुटि को आधार बनाकर पूरे भारत की AI और टेक्नोलॉजी व्यवस्था पर सवाल उठाना सरासर गलत है।' उन्होंने आगे कहा कि, 'एक संस्थान की गलती को पूरे देश की तकनीकी क्षमता से जोड़ना उचित नहीं है।

पटना- आवारा कुत्तों के लिए बनेगा फीडिंग जोन, 75 वार्डों में जगह किए जा रहे चिन्हित, हेल्पलाइन नंबर भी होगा जारी

एजेंसी, पटना

आवारा कुत्तों को लेकर सरकार सख्त हो गई है। इसे लेकर पटना नगर निगम द्वारा एक खास प्लानिंग की जा रही है। नगर निगम के हर वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए एक फीडिंग जोन बनाया जाएगा। इसके लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा। अभी सभी 75 वार्डों में जगह को चिन्हित किया जा रहा है। इसका नाम 'आवारा श्वानों के लिए आहार स्थल' होगा। इस फीडिंग जोन को बनाने का मुख्य उद्देश्य आवारा कुत्तों की संख्या का पता करना है जिससे उनके नसबंदी करने में मदद मिलेगी।

बीमारियों के रोकथाम और साफ सफाई में मिलेगी मददः पटना नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक इसके बन जाने से बीमारियों पर रोकथाम होगा, क्योंकि कई लोग आवारा कुत्तों को सड़क के किनारे खाने की चीज दे देते हैं, जिससे उनका स्लाईवा इधर-उधर फैल जाता है और बीमारियां भी बढ़ती है। इसके अलावा इस फीडिंग जोन के बनने से साफ सफाई सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी क्योंकि आवारा कुत्ते खाकर कुछ खाना छोड़ देते हैं, जिससे कचरा इधर-उधर फैल जाता है। एक ही जगह पर खाना देने पर कुत्तों को भी आदत लग जाएगी और वह उसी जगह पर आकर अपना खाना खाएंगे और चले जाएंगे। इससे गंदगी नहीं फैलेगी।

हर फीडिंग जोन के बाहर स्थान और अंचल का नाम लिखा जाएगाः वहीं, कुछ कुत्ते खाने के लिए लोगों पर झपटते भी है और काट भी लेते हैं। इन सभी चीजों से निपटने के लिए पटना नगर निगम ने ये खास प्लान बनाया है। हर फीडिंग जोन के आगे स्थान का नाम और अंचल का नाम लिखा जाएगा। आवारा कुत्तों से संबंधित शिकायत या सुझाव के लिए हेल्पलाइन नंबर 0612-2200634 पर लोग कॉल कर सकते हैं। इससे पहले नवंबर महीने में पटना नगर निगम ने शहर के सभी 75 वार्डों में आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के लिए एंटी-रेबीज टीकाकरण और नसबंदी अभियान चलाया था।

संक्षिप्त समाचार

विश्व हिंदू महासंघ का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आज से

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहा/हसनपुरः विश्व हिंदू महासंघ का राष्ट्रीय अधिवेशन 21व 22 फरवरी 2026 को शेमफोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल, हसनपुर रोड, निकट अतराशी चौराहा में होने जा रहा है। जिसमे देशभर से पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। अधिवेशन में हिंदू समाज के मुद्दों पर चर्चा होगी और उत्थान के लिए रणनीति बनेगी। वही अधिवेशन में संगठन द्वारा प्रस्तावित मुख्य मांगें जिसमे 1. ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ महाराज को भारत रत्न की मांग, 2. गौसंवर्धन और गौ माता को राष्ट्र माता बनाने की मांग प्रस्तावित है, वही संगठन की वेबसाइट और पत्रिका का विमोचन भी किया जाएगा साथ ही संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की जाएगी, कार्यक्रम में सुरक्षा के साथ-साथ सभी के लिए सुविधा एवं सहभोज का कार्यक्रम भी आयोजित है, जिसका आयोजन विश्व हिंदू महासंघ (भारत), जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश के द्वारा किया जा रहा है, कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजको ने अधिक से अधिक संख्या में हिंदू समाज के लोगों से पहुंचने की अपील की है।

यमुनानगरः महिला पर बच्चों को ले जाने की कोशिश का आरोप,सतर्कता से टली बड़ी वारदात

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर में किराये के मकान में रह रहे उत्तर प्रदेश मूल के एक परिवार के दो मासूम बच्चों को कथित रूप से बहला-फुसलाकर अपहरण का प्रयास करने का मामला सामने आया है। गुरुवार की दोपहर लापता हुए बच्चे देररात मिल गए। एक बच्चे की तबीयत बिगड़ने के कारण चिकित्सकीय जांच करानी पड़ी। परिवार के अनुसार 12 वर्षीय दीपक और 9 वर्षीय दीपांशु गुरुवार दोपहर को घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गए। बच्चों की मां पास ही रिश्तेदारी में गई हुई थी। लौटने पर दोनों घर पर नहीं मिले तो आसपास तलाश शुरू की गई। काफी खोजबीन के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने पर पिता सुनील को फैक्टरी में सूचना दी गई। इसके बाद परिजन और मोहल्ले के लोग बच्चों की तलाश में जुट गए। बच्चों ने बताया कि वे मस्जिद के समीप खेल रहे थे, तभी एक अज्ञात महिला उनके पास आई। आरोप है कि उसने छोटे बच्चे को अपने साथ ले जाने का प्रयास किया और उसके चेहरे पर रुमाल रखने की कोशिश की। बड़े भाई ने विरोध करते हुए महिला के हाथ पर काट लिया, जिसके बाद दोनों वहां से भाग निकले। बच्चों का कहना है कि महिला कुछ दूरी तक उनका पीछा करती रही। घबराए बच्चे गलियों में भटकते हुए रास्ता भूल गए और देर रात घड़ी रोड क्षेत्र में लोगों से मदद मांगते हुए घर पहुंचे। दीपांशु हल्की बेहोशी की स्थिति में मिला, जिसे तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बच्चों को खतरे से बाहर बताया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने बच्चों और परिजनों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है।

सोनीपत में फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा, बीस काबू

लोकतंत्र की शान : सोनीपत। सोनीपत कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में अवैध कॉल सेंटर चलाकर विदेशी नागरिकों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता और अपराध जांच शाखा की संयुक्त टीम ने गुरुवार की देर रात फैक्टरी नंबर-394 में छापा मारकर 20 युवक-युवतियों को काबू किया। इनमें 16 युवक और 4 युवतियां शामिल हैं। सभी लैपटॉप पर काम करते हुए हेडफोन लगाकर विदेशी नागरिकों से बातचीत कर रहे थे। उपनिरीक्षक सतपाल सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त स्थान पर अवैध कॉल सेंटर संचालित कर विदेशियों को तकनीकी सहायता के नाम पर ठगा जा रहा है। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम गठित कर योजनाबद्ध तरीके से रेड की गई। टीम में एएसआई राजेश, महावीर, रितु, उपनिरीक्षक यशबीर, नरेश, नवीन, सिपाही जतिन तथा साइबर सैल के कर्मचारी शामिल रहे। जांच में सामने आया कि गिरोह खुद को माइक्रोसॉफ्ट कंपनी का कर्मचारी बताकर अमेरिका के नागरिकों को कॉल करता था। आरोपित कंप्यूटर में वायरस या तकनीकी खराबी का डर दिखाकर रिमोट एक्सेस एप्लिकेशन डाउनलोड करवाते थे और उपकरण का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेते थे। इसके बाद फर्जी जांच दिखाकर पीड़ितों से ईमेल आईडी और बैंक खातों की जानकारी हासिल की जाती थी, जिससे आगे आर्थिक ठगी की जाती थी। पूछताछ में कॉल सेंटर के पर्यवेक्षक अक्षय अरोड़ा और राहुल मुंजाल के नाम सामने आए, जबकि मुख्य संचालक जनकपुरी, दिल्ली निवासी आशीष गाबा बताया गया है, फिलहाल वह फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। मौके से तीन लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन और तीन हेडफोन कब्जे में लिए गए। तलाशी के दौरान 23 अन्य लैपटॉप, 26 मोबाइल फोन, 21 चार्जर, 16 हेडफोन और एक वाई-फाई राउटर बरामद हुआ। सभी उपकरणों को सील कर लिया गया और साक्ष्य सुरक्षित किए गए। जब आरोपितों से दूरसंचार विभाग का लाइसेंस, कंपनी पंजीकरण, भुगतान प्रणाली और डेटा स्रोत से जुड़े दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इससे कॉल सेंटर का अवैध संचालन स्पष्ट हुआ। इस संबंध में थाना कुंडली में शुक्रवार को विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क, बैंक लेनदेन और डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच कर रही है।

सुरक्षा गेविंग दीवार झुकने से गंगोत्री हाईवे पर आईं दरारें, चिन्यालीसौड़ पर मंडराया संकट

लोकतंत्र की शान : उत्तरकाशी। टिहरी झील से हो रहे कटाव से सुरक्षा के लिए चार वर्ष पहले बनाई गई सुरक्षा गेविंग दीवार भू-धंसाव के कारण गंगोत्री हाईवे की ओर से करीब तीन मीटर नीचे झुक गई है। इससे हाईवे सहित जोगत-देवीसौड़ मोटर मार्ग पर दरारें आ गई हैं। इससे चिन्यालीसौड़ बाजार और आवासीय भवनों के लिए एक बार फिर खतरा मंडराने लगा है। इस संबंध में नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष शूरवीर रांगड़ व सभासद सिद्धार्थ नौटियाल ने बताया कि टिहरी झील के कारण चिन्यालीसौड़ और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से भू-कटाव की समस्या बनी हुई है। इससे मुख्य बाजार सहित गंगोत्री हाईवे और आवासीय बाजार अभी भी खतरे की जद में हैं।

मंत्रियों का पुतला फूंक कर कांग्रेस ने जताया विरोध

अनर्गल बयानबाजी करना भाजपा नेताओं की आदत – ज्ञान सिंह

लोकतंत्र की शान

सीधी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान तथा जिला कांग्रेस कमेटी सीधी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में जिले के मुख्यालय सहित विभिन्न ब्लॉक मुख्यालयों पर प्रदेश सरकार के मंत्रियों के विरोध में प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के तीन मंत्रियों कैलाश विजयवर्गीय, राजेन्द्र शुक्ला एवं विजय शाह पर अनर्गल बयानबाजी और जनभावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए उनके पुतलों का दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अमेरिकी ट्रेड डील के विरोध, सेना के कथित अपमान, भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों, छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की दुःखद मौतों तथा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला मुख्यालय पर आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार संवेदनशील मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है और जनहित से जुड़े प्रश्नों से ध्यान भटकाने के लिए अनर्गल बयानबाजी की जा रही है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतें तथा छिंदवाड़ा में बच्चों की असामयिक मृत्यु अत्यंत दुखद और चिंताजनक हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सेना के सम्मान जैसे संवेदनशील विषय पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है। जब नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने इन मुद्दों को सदन में उठाने का प्रयास किया, तब भाजपा मंत्रियों द्वारा उनके विरुद्ध अपमानजनक और अनर्गल टिप्पणी की गई। उमंग सिंगार का अपमान संपूर्ण आदिवासी समाज का अपमान है और कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस नेताओं ने संबंधित मंत्रियों से इस्तीफे की मांग करते हुए समस्त घटनाओं की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

बरचर आश्रम में भण्डारा की तैयारियां तेज,कल होगा प्रसाद वितरण

लोकतंत्र की शान

स्वामी श्री अड़गड़ानंद जी महाराज

सीधी। जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर की दूरी पर सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल परमहंस आश्रम बरचर मे प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल वार्षिक भंडारा कल 22 फरवरी शुक्ल पक्ष पंचमी (रविवार) को परम पूज्य स्वामी अड़गड़ानन्द जी महाराज के सानिध्य मे सम्पन्न होगा। जहाँ भक्तों द्वारा तैयारी पूर्ण कर ली गई है स्वामी जी भी शुक्रवार 20 फरवरी को शक्तेषगढ़ आश्रम से हेलीकाप्टर से बरचर आश्रम पहुंच चुके हैं जिनकी मौजूदगी मे भंडारे का आयोजन सुबह 8 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक अनवरत रूप से चलता रहेगा भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के एवं पूज्य स्वामी जी का दर्शन करने के लिए मध्यप्रदेश के अलावा उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल ,छत्तीसगढ़,उत्तराखंड,पंजाब, हरियाणा सहित देश के कई राज्यों से भारी संख्या मे भक्तजन पहुंचते हैं जो स्वामी जी का दर्शन करके प्रसाद ग्रहण करते हैं सांथ ही भंडारे के सांथ -सांथ दिन भर आश्रम के संत जनो द्वारा प्रवचन भी किया जाता हैं भक्तजनो को प्रवचन का रसपान करने को भी मिलता है पंगत की व्यवस्था, प्रवचन स्थल की व्यवस्था श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो भक्तजनो द्वारा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम कर लिए गए हैं वहीं सुरक्षा की दृष्टि कई थानो के पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहेंगे।

कुठला पुलिस को "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत मिली सफलता गुमशुदा बालिका को किया दस्तयाब

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

सिंह, महिला आरक्षक दिव्या तिवारी एवं अन्य स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

कटनी : गत दिनों घटना - पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे ''ऑपरेशन मुस्कान'' के तहत पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा0पु0से0) द्वारा अपहृत बालक / बालिकाओ की दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमति नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना कुठला के नेतृत्व में दिनांक 20/02/2026 को दर्ज गुमशुदा रिपोर्ट की नाबालिग बालिका को कुठला पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के अन्तर्गत गुमशुदा बालिका को निवार से दस्तयाब किया गया है। दस्तयाबी उपरांत गुमशुदा बालिका को उसके परिजनो को सुरक्षित सुपुर्द किया गया । बालिका के मिलने पर परिजनों ने कुठला पुलिस के कार्य की सराहना की है । पुलिस कार्यवाही मे विशेष भूमिकाः- उप निरीक्षक विनोद सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रतीक्षा सिंह चन्देल, आरक्षक प्रभाकर

पुलिस ने बिहार से नाबालिग को किया दस्तयाब, आरोपी जेल के हवाले

लोकतंत्र की शान

सीधी। थाना कोतवाली सीधी पुलिस ने एक चुनौतीपूर्ण अपहरण प्रकरण में त्वरित और समन्वित कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिका को बिहार से सुरक्षित बरामद करने में सफलता पाई है। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन में चली इस मुहिम ने कानून व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को और सुदृढ़ किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को स्कूल जाने के लिए निकली बालिका लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। साइबर सेल सीधी के सहयोग से तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया, जिससे बालिका की सटीक लोकेशन ग्राम पथवरिया जिला बगहा बिहार में प्राप्त हुई। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए बिहार पहुंचकर बालिका को सकुशल अपने संरक्षण में लिया। वैधानिक प्रक्रियाओं के उपरांत बालिका को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। अपहरण में संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल भेजने के आदेश प्राप्त हुए। इस सफल अभियान में सउनि विनोद त्रिपाठी, प्रआर अवनीश सिंह, प्रआर सुनीता यादव, आरक्षक अनुराग यादव तथा साइबर सेल से प्रआर प्रदीप मिश्रा एवं आरक्षक कृष्णमुरारी की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही।

गांव से लेकर शहर तक के हैडपम्प समय से पहले हवा उगलने लगे अधिकारियों मौन

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सीधी। जिले में खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत न होने से पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, सूचना के बाद भी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सुधार नही कराया जा रहा है। गर्मी का मौसम आने वाला है, अगर समय रहते खराब पड़े हैंडपंपों का सुधार नहीं हुआ तो पानी के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ेगा।<गौरतलब हो कि जबसे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग सीधी की बागडोर एसडीओ को बतौर कार्यपालन यंत्री सौंप दी गई है तबसे जिले में यह समस्या बनी हुई है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि प्रभारी कार्यपालन यंत्री द्वारा जब स्वयं रूचि नहीं ली जाती है तो इसी तरह की समस्या सामने आने लगती है। साहब को राजनीतिक सरंक्षण मिलने चलते वह मनमानी करने में पीछे नहीं जा रहें हैं। आरोप है कि जब कार्यालय का मुखिया ही सरकार के सेवा शर्तों के अनुरूप कार्य को प्राथमिकता नहीं देता है तो हर तरह की समस्याएं आती हैं, बताया जा रहा है कि प्रभारी कार्यपालन यंत्री की कार्यालय में मौजूदगी नाममात्र के लिए रहती है। कभी-कभार कुछ घंटे के लिए आते हैं फिर गायब हो जाते हैं। शिकायतकर्ताओं को उनसे मिलने का अवसर ही नहीं मिल पाता। जिले में करोड़ों की लागत से संचालित नल जल योजना और हैंडपंप मरम्मत कार्यों में गंभीर अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही हैं। ग्रामीण इलाके में नल जल योजना की पाइप लाइन अधूरी है। जिसके चलते लोगों को नलों से पानी नहीं मिल रहा है। स्थिति यह है कि आधे-अधूरे कार्य के बाद भी ठेकेदारों को पूरा भुगतान हो चुका है। प्रभारी कार्यपालन यंत्री त्रयंबकेश द्विवेदी की लापरवाही के चलते कई सरकारी स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों में बिगड़े हैंडपंपों का सुधार कार्य महीनों बाद भी नहीं हो पा रहा है। ठंड के दिनों में भी स्कूली बच्चों और ग्रामीण जनों को पानी के लिए जद्दोजेहद करनी पड़ रही है। और अब गर्मी का मौसम भी आने वाला है, अगर इस ओर जिम्मेदार अधिकारियों की नजर नहीं पड़ती है तो निश्चित रूप से हैंडपंपों से पानी पीने के लिए निर्भर लोगों को लिए संघर्ष करना पड़ेगा। दरअसल सरकारी हैंडपंपों का जाल सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों में फैला हुआ है। गांवों के गरीब परिवार के लोग भी अब पानी के लिए पूरी तरह से सरकारी हैंडपंप पर ही आश्रित हैं। सरकारी हैंडपंपों के बिगडऩे पर उनका सुधार कार्य समय पर हो पाना संभव नहीं है। लोग बिगड़े हैंडपंपों के सुधार के लिए आवेदन लेकर जिला मुख्यालय तक आते हैं फिर भी उनका सुधार कार्य नहीं हो पाता। इसी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में बिगड़े हैंडपंपों का सुधार न होने पर सबसे ज्यादा शिकायतें बनी हुई हैं। लोगों की समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग जिसका प्रमुख कार्य लोगों को आसानी से पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना है वह अपने कार्यों के प्रति इतना ज्यादा लापरवाह कैसे हो गया। वहीं विभागीय सूत्रों का कहना है कि अधिकारी के द्वारा हैंडपंपों के सुधार कार्य में रुचि न लिए जाने के कारण इस तरह की शिकायतें बनी हुई हैं।

संतोष तोमर के मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ बड़वारा तहसील इकाई अध्यक्ष बनने पर पत्रकारों में हर्ष की लहर

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला इकाई के मार्गदर्शन में बड़वारा तहसील इकाई के अध्यक्ष पद पर संतोष तोमर की नियुक्ति किए जाने पर जिले भर के पत्रकारों में हर्ष का वातावरण है। जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र राजपूत के नेतृत्व में संगठन लगातार सशक्त एवं सक्रिय भूमिका निभा रहा है। बड़वारा तहसील में संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से संतोष तोमर को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। पत्रकार साथियों ने जिला नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि संतोष तोमर के नेतृत्व में बड़वारा तहसील इकाई संगठनात्मक एकजुटता, पत्रकार हितों की रक्षा एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगी। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने संतोष तोमर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

श्रीराधा कृष्ण की निकुंज लीला की हुई मनमोहक प्रस्तुति

- श्रीरामकृष्ण लीला प्रचार मंडल वृन्दावन के द्वारा रासलीला का किया जा रहा है मंचन,
- उर्मिलेश्वर नाम तिलक नगर में हो रहा है आयोजन

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला मुख्यालय के समीप पडऱा के उर्मिलेश्वर धाम में श्रीराधा कृष्ण रासलीला का मंचन श्रीरामकृष्ण लीला प्रचार मंडल श्रीधाम वृंदावन के द्वारा किया जा रहा है। परम पूज्य दंण्डी स्वामी निर्भयानंद महराज के परम सानिध्य में श्रीकृष्ण रासलीला के दूसरे दिन गुरुवार को श्रीराधा कृष्ण की अष्ठ सखियों के साथ निकुंज लीला श्रीकृष्ण जन्म बधाई लीला, माखन चोरी लीला का मंचन किया गया। श्री रामकृष्ण लीला प्रचार मंडल के व्यास परम पूज्य स्वामी ब्रजेश शर्मा के द्वारा बृज लीला के पद एवं भजनों की प्रस्तुति ने दर्शकों को खूब अनांदित किया। इस अवसर पर समाजसेवी विनय कुमार सिंह परिहार, अखिलेश पाण्डेय, आदित्य सिंह के द्वारा श्रीराधाकृष्ण झांकी की आरती एवं माल्यार्पण किया गया। उक्त रासलीला का शुभारंभ श्रीराधा कृष्ण एवं उनकी अष्ट सखियों के द्वारा रासलीला का मंचन किया गया। तत्पश्चात गोकुल में नंदबाबा माता यशोदा के घर लाला के जन्म पर बृजवासियों के द्वारा बधाई लीला का मंचन हुआ। उसके बाद अहंकार के मद में चूर देवगण के द्वारा नारद जी का अपमान करने पर नारद जी ने स्थावर वृक्ष बनने के श्री से नन्द बाबा के आंगन में श्यमला अर्जुन वृक्षों के रूप में जड़ बने देवगणों की भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा उद्धार की लीला प्रस्तुत की गई। उक्त रासलीला में ठाकुर जी श्रीकृष्ण की भूमिका दीवेश शर्मा, श्रीजी की भूमिका नैतिक शर्मा, श्रीजी की अष्ट सखियों की भूमिका में करण शर्मा, गोविंद शर्मा, रवि शर्मा, राजू शर्मा, देव कुमार शर्मा, रामवीर शर्मा ने मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके साथ ही कान्हा जी दिगंबर शर्मा, हरीष शर्मा, छोटू मिश्रा, ऋषि मिश्रा द्वारा अभिनय किया गया। उक्त रासलीला में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर बाल लीला, बृज लीला, द्वारिका लीला सहित अन्य लीलाओं का मंचन प्रति दिन शायं 7 बजे से उर्मिलेश्वर धाम तिलकनगर पडऱा में प्रतिदिन हो रहा है। उर्मिलेश्वर धाम तिलक नगर में 17 फरवरी से 26 फरवरी तक धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किया जा रहा है।

कटनी में कांग्रेस जनों का भारी आक्रोश जलाया मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पुतला

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफजबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार आज जिला कांग्रेस कमेटी कटनी द्वारा प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विरुद्ध पुरानी कचहरी चौराहा पर तीव्र विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के संबंध में की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में आयोजित किया गया।<कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने किया। आक्रोशित कांग्रेसजनों ने विरोध स्वरूप पुतला दहन कर नारेबाजी की तथा लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय मर्यादाओं के सम्मान की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और मंत्री के प्रति गहरा रोष व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस प्रकार की असंसदीय एवं आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग निंदनीय है। कांग्रेसजनों ने आरोप लगाया कि बार-बार इस तरह की भाषा का उपयोग लोकतांत्रिक परंपराओं को आहत करता है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस पार्टी ने राज्य सरकार से मांग की कि संबंधित मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को तत्काल मंत्रिमंडल से हटाया जाए तथा उनका इस्तीफ़ा लिया जाए। कांग्रेसजनों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और व्यापक करेगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प की 'बोर्ड ऑफ पीस' मीटिंग में भारत शामिल हुआ, गाजा के लिए 1.5 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में भारत ने गुरुवार को ऑब्जर्वर देश के तौर पर हिस्सा लिया। यह बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई। भारत की तरफ से भारतीय दूतावास में तैनात चार्ज द' अफेयर्स (सीनियर अधिकारी) नमग्या सी खम्पा ने हिस्सा लिया। भारत ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह बोर्ड का फुल टाइम मेंबर बनेगा या नहीं। भारत ने पिछले महीने दावोस में इसके लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था। 'बोर्ड ऑफ पीस' की बैठक में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज का ऐलान किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि 9 सदस्य देश गाजा राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपए (7 अरब डॉलर) देंगे। जबकि, अमेरिका खुद 90 हजार करोड़ रुपए (10 अरब डॉलर) देगा। वहीं, 5 देशों ने युद्ध से तबाह फिलिस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। वॉशिंगटन में हुई इस बैठक में करीब 50 देशों के अधिकारी शामिल हुए। इनमें से 27 देश बोर्ड के सदस्य हैं, जिनमें अजरबैजान, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, इंडोनेशिया, इजराइल, जॉर्डन, मोरक्को, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, तुर्की, UAE, उज्बेकिस्तान और वियतनाम शामिल हैं। भारत और यूरोपीय संघ (EU) सहित बाकी देश ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल हुए। ट्रम्प ने कहा कि यह रकम युद्ध पर होने वाले खर्च के मुकाबले बहुत छोटी है। उन्होंने सदस्य देशों से कहा कि अगर सभी देश साथ आएं तो उस इलाके में स्थायी शांति लाई जा सकती है, जो सदियों से युद्ध और हिंसा झेलता आया है। ट्रम्प ने कहा कि गाजा पर खर्च किया गया हर डॉलर इलाके में स्थिरता लाने और बेहतर भविष्य बनाने में निवेश है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक भेजे जाएंगे, वे कब तैनात होंगे और दी गई रकम का इस्तेमाल किस तरह किया जाएगा।

ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू गिरफ्तार, 12 घंटे बाद घर जाने दिया, एपस्टीन मामले में नाम

लंदन। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के 2 महीने बाद दुनिया में पहली गिरफ्तारी हुई। ब्रिटिश पुलिस ने गुरुवार सुबह किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को गिरफ्तार किया। करीब 12 घंटे की गिरफ्तारी के बाद भारतीय समयानुसार रात 1:15 बजे पुलिस ने एंड्रयू को उनके घर जाने दिया। हालांकि इस मामले की जांच अभी जारी रहेगी। पुलिस ने इस कार्रवाई के बारे में राज परिवार को पूर्व सूचना नहीं दी थी। दोषी साबित होने पर एंड्रयू को उम्रकैद हो सकती है। 66 साल के एंड्रयू का गुरुवार को जन्मदिन भी था। उन पर सार्वजनिक पद के दुरुपयोग का आरोप है। दरअसल, एपस्टीन मामले में पीड़िता रही वर्जीनिया गिफ्रे ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी तब एंड्रयू ने उनका यौन शोषण किया था। हालांकि, एंड्रयू ने ग्रिफे के सभी आरोपों को खारिज किया था। गिफ्रे की अप्रैल 2025 में मौत हो गई थी। इसकी वजह आत्महत्या बताई गई थी। एंड्रयू को पुलिस ज्यादा से ज्यादा 96 घंटे तक हिरासत में रख सकती थी, लेकिन इसके लिए सीनियर पुलिस अधिकारियों और अदालत से इजाजत लेनी पड़ती। आम तौर पर ऐसा कम ही होता है। ज्यादातर मामलों में किसी भी संदिग्ध को 12 या 24 घंटे तक रखा जाता है। उसके बाद या तो उस पर केस दर्ज कर दिया जाता है या फिर आगे की जांच तक छोड़ दिया जाता है। अगर एंड्रयू को थाने ले जाया जाता है, तो उन्हें लॉकअप में रखा जा सकता है और वहीं वे पूछताछ का इंतजार करेंगे। पुलिस उनके कंप्यूटर, फाइलें और फोटो देख सकती है। साथ ही, वे उन घरों या जगहों की भी तलाशी ले सकते हैं जहां वे रहते हैं, जिनके मालिक हैं या जिन पर उनका नियंत्रण है।

पुतला दहन के दौरान भड़की आग, ट्रैफिक टीआई झुलसे

सतना। मैहर में शुक्रवार सुबह करीब 9.30 बजे कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान ट्रैफिक टीआई आग से झुलस गए। यह घटना उस समय हुई, जब प्रदर्शनकारी पुतला दहन कर रहे थे और पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी। यह प्रदर्शन प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ किया जा रहा था। दरअसल, विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के खिलाफ अपशब्द कहे थे। पुतला दहन के दौरान टीआई विक्रम सिंह पाठक हालात संभालने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान आग अचानक भड़क गई और वे झुलस गए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद मैहर एसपी ने कहा कि इस घटना से सभी आहत हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों और चौराहों पर पेट्रोल जैसे ज्वलनशील पदार्थों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। आम लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। पुलिस ने मामले का संज्ञान ले लिया है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की बात कही है। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेश घई के नेतृत्व में प्रदर्शन था। कांग्रेस ने इस प्रदर्शन के लिए अनुमति ली थी। प्रदर्शन सुबह 9 बजे होना था, सुबह साढ़े 9 बजे पुतला दहन के दौरान ट्रैफिक टीआई आग की चपेट में आ गए। फिलहाल, उन्हें मैहर के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां स्थिति देखकर उन्हें जिला अस्पताल या जबलपुर रेफर किया जा सकता है। मैहर के सिविल अस्पताल में इलाज कर रहे डॉक्टरों के मुताबिक, टीआई विक्रम की कमर, पीठ, जांघ और हाथ बुरी तरह झुलसे हैं। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। पुतला दहन के दौरान जब टीआई की वर्दी में आग लगी हुई थी, तब पुलिसकर्मी आग बुझा रहे थे। वहीं कांग्रेसी पार्टी के जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे।

महिला के पेट से कैंची नुमा सर्जिकल टूल निकला

अलाप्पुझा। सर्जरी के 5 साल बाद महिला के पेट में सर्जिकल टूल (आर्टरी फोर्सेप्स) मिलने का मामला सामने आया है। केरल के अलाप्पुझा के पुन्नप्रा गांव की रहने वाली उषा जोसेफ (51) के पेट में टूल मिला है। ऊषा के बेटे शिबिन ने बताया कि मां की मई 2021 में अलाप्पुजा मेडिकल कॉलेज में गर्भाशय की गांठ की सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह घर आ गई थीं, लेकिन उनके पेट में लगातार दर्द बना रहता था। शिबिन के मुताबिक मां का पेट दर्द का इलाज लगातार चल रहा था। हमे लगा कहीं किडनी में स्टोन तो नहीं, इसलिए उनका एक्स-रे कराया। उनके पेट में आर्टरी फोर्सेप्स (छोटी ब्लड वेसल्स को पकड़ने का टूल) नजर आया। शिबिन ने कहा कि हम एक्स-रे रिपोर्ट लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। तो वहां के डॉक्टरों ने मां के पेट से सर्जरी करके टूल निकालने की बात कही। लेकिन अब मां को कोच्चि के निजी अस्पताल में एडमिट कराया है।

मेडिकल कॉलेज ने किया मुआवजे से इनकार: शिबिन ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने इस मामले में मुआवजा देने से इनकार कर दिया है। मैं अब पुलिस में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ FIR दर्ज कराऊंगा। मेडिकल कॉलेज की सर्जन डॉ. ललिताम्बिका (वर्तमान में रिटायर) ने मां की सर्जरी के लिए पैसे भी लिए थे।

रिटायर्ड सर्जन बोलीं- मैंने सर्जरी नहीं की: वहीं, मामले पर रिटायर्ड सर्जन डॉ. ललिताम्बिका ने कहा है कि उन्होंने ऊषा की सर्जरी नहीं की थी। यह सर्जरी उनके रिटायरमेंट से ठीक पहले हुई थी, जब वह अस्पताल के सर्जरी के बड़े केस में शामिल भी नहीं थीं। मैं उस समय यूनिट हेड थी, इसलिए मुझ पर आरोप लगाया जा रहा है। डॉ. ललिताम्बिका ने कहा कि ऑपरेशन से पहले और बाद में फ्लोर नर्स टूल्स की गिनती करती है। इस फेल्योर के लिए वही जिम्मेदार है। मैंने मरीजों से किसी तरह की रकम नहीं ली है।

अमित शाह बोले- कांग्रेस ने सीमाएं खुली छोड़ीं, घुसपैठ बढ़ी

असम से 6900 करोड़ की योजना लॉन्च की, कहा- 5 साल में राज्य को बाढ़मुक्त करेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने देश की सीमाएं खुली छोड़ दी थीं, जिसकी वजह से असम में घुसपैठ बढ़ी। भाजपा सरकार ने इस समस्या से सख्ती से निपटा है। शाह ने असम के कछार जिले में जनसभा में कहा कि कांग्रेस के शासन में असम में कोई विकास कार्यक्रम शुरू नहीं हुआ।

आज राज्य में हर दिन 14 किलोमीटर सड़क बन रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है। शाह दो दिन के लिए असम दौरे पर हैं। उन्होंने कछार के नाथनपुर गांव से 6,900 करोड़ रुपए की 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' के दूसरे चरण की शुरुआत की। इसके तहत देशभर के 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा।

CRPF के परेड में भी शामिल होंगे: शाह नाथनपुर स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा चौकी का भी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। वे शनिवार को गुवाहाटी के अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में CRPF के वार्षिक दिवस परेड में शामिल होंगे। यह आयोजन पहली बार पूर्वोत्तर में हो रहा है। इसके अलावा वे सोनापुर के कसुतोली में 10वीं असम पुलिस बटालियन के नए परिसर की आधारशिला रखेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम के दौरे से पहले बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी राज्य का दौरा किया था। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी दो दिन के असम दौरे पर है। प्रियंका शुक्रवार सुबह गुवाहाटी के पास सोनापुर पहुंचीं। यहां उन्होंने गायक जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की। प्रियंका ने कहा कि असम के सीएम चुनाव से पहले डर गए हैं, इसलिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। उन्हें निजी आरोपों की बजाय राज्य के विकास पर बात करनी चाहिए। गौरव जी और उनके परिवार को जिस तरह निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि यह गलत राजनीति है।

ट्रम्प के मैसेज लीक करने पर मैक्रों का जवाब

कहा- रिश्तों में सम्मान जरूरी, कुछ नेता आगे बढ़ने के बजाए पीछे जाते दिख रहे

एजेंसी, नई दिल्ली

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि देशों के बीच रिश्तों में सम्मान बहुत जरूरी होता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों नेताओं के बीच हुए प्राइवेट मैसेज लीक कर दिए। भारत के तीन दिन के दौरे पर आए मैक्रों ने भारतीय पॉडकास्टर राज शमानी के शो में यह बात कही। उनसे पूछा गया कि उनके निजी मैसेज लीक होने पर उन्हें कैसा लगा। इस पर मैक्रों ने सीधे ट्रम्प का नाम लेकर कुछ नहीं कहा, लेकिन इतना जरूर कहा कि कूटनीति में एक-दूसरे का सम्मान जरूरी है।

मैक्रों ने कहा कि देश आपस में सहमत हों या असहमत, लेकिन अपनी बात सम्मान के साथ रखनी चाहिए। असहमति जताना गलत नहीं है, लेकिन उसका तरीका सही होना चाहिए। मैक्रों ने ट्रम्प पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ नेता आगे बढ़ने के बजाए पीछे जाते हुए दिख रहे हैं।

मैक्रों के मैसेज का स्क्रीनशॉट: ट्रम्प ने 20 जनवरी को मैक्रों का निजी मैसेज लीक किया था। उस मैसेज में मैक्रों ने ट्रम्प से कहा था कि वे समझ नहीं पा रहे हैं कि ट्रम्प ग्रीनलैंड को लेकर क्या करना चाहते हैं। उन्होंने आगे मिलकर काम करने की बात भी कही थी और G7 बैठक की मेजबानी का सुझाव दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि इस बैठक में यूक्रेन, डेनमार्क, सीरिया और रूस जैसे देशों को शामिल किया जा सकता है। मैक्रों ने पॉडकास्ट में यह भी कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपने नेता बदलने का अधिकार होता है, इसलिए हिंसा और अपमान की जरूरत नहीं है। वे समाज में नफरत भरी भाषा और हिंसा के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जब फ्रांसीसी राष्ट्रपति से पूछा गया कि क्या दुनिया को अमेरिका के मौजूदा लीडरशिप से डरने की जरूरत है, तो उन्होंने कहा कि आज के हालात में यह थोड़ा हैरान करने वाला है कि कुछ नेता आगे बढ़ने की बजाय पीछे की तरफ जाते दिख रहे हैं।

बलूच लड़ाकों की कैद में रोते दिखे पाकिस्तानी सैनिक

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने एक और वीडियो जारी किया है, जिसमें पाकिस्तानी सैनिक सरकार से मदद की गुहार लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में 7 पाकिस्तानी सैनिकों को दिखाया गया है। वीडियो में एक सैनिक रोते हुए कह रहा है कि वह पाकिस्तान के लिए लड़ता रहा, लेकिन आज सेना उसे अपना नहीं मान रही। सैनिक कह रहा है- 'मेरे पास पाकिस्तानी सेना का ID कार्ड है, फिर क्यों कहा जा रहा है कि मैं पाकिस्तानी सैनिक नहीं हूं।' यह वीडियो पाकिस्तान की सेना के उस बयान को सीधी चुनौती देता है, जिसमें कहा गया था कि उसके कोई भी सैनिक लापता नहीं हैं और न ही किसी उग्रवादी संगठन की हिरासत में हैं। BLA ने 14 फरवरी को इन सैनिकों को पकड़ा था। इनकी रिहाई के लिए BLA ने बलूच लड़ाकों की रिहाई की मांग की है। इसके लिए पाकिस्तान सरकार को 22 फरवरी तक का वक्त दिया गया है। यह वीडियो BLA के आधिकारिक चैनल 'हक्काल' पर जारी किया गया है। वीडियो में बंदी बनाए गए सैनिकों से BLA लड़ाके कहते हैं, "पाकिस्तान सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन वो आप लोगों को अपना मानने से इनकार कर रही है। आप कैसे साबित करेंगे कि पाकिस्तानी सैनिक हैं?" इसके जवाब में सैनिक रोते हुए कहते हैं, "आर्मी कैसे कह सकती है कि हम उनके 'बंदे' नहीं हैं।"

ट्रम्प बोले- मैंने भारत-पाक को 200% टैरिफ की चेतावनी दी, तब लड़ाई रोकने के लिए माने

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को वॉशिंगटन में फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों पर 200% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद वे संघर्ष रोकने के लिए माने। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ये बात 'बोर्ड ऑफ पीस' कार्यक्रम में कही। ट्रम्प ने कहा कि उस समय दोनों देशों के बीच हालात बहुत खराब थे, लड़ाई तेज हो गई थी और विमान गिराए जा रहे थे। मैंने दोनों नेताओं (मोदी और शहबाज शरीफ) को फोन किया। मैंने दोनों से साफ कह दिया था कि अगर वे झगड़ा खत्म नहीं करेंगे तो मैं उनके साथ कोई ट्रेड डील नहीं करूंगा। ट्रम्प के मुताबिक दोनों देश लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे का मामला आया और नुकसान की बात सामने आई तो वे मान गए। ट्रम्प ने दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान 11 महंगे फाइटर जेट्स गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि ये फाइटर जेट्स किस देश के थे। ट्रम्प 75 से ज्यादा बार भारत-पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाने का दावा कर चुके हैं। वहीं, भारत लगातार यह कहता रहा है कि भारत-पाकिस्तान के मुद्दों में किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी।

शरीफ ने ट्रम्प को 'दक्षिण एशिया का रक्षक' बताया: ट्रम्प ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने उनके चीफ ऑफ स्टाफ के सामने यह बात मानी थी कि उनकी पहल से भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध टल गया। ट्रम्प के मुताबिक, अगर यह टकराव नहीं रुकता तो करीब 2.5 करोड़ लोगों की जान खतरे में पड़ सकती थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी वजह से दोनों देशों के बीच हालात काबू में आए और बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान टल गया। इस दौरान ट्रम्प ने शहबाज शरीफ से खड़े होने के लिए कहा वो खड़े हो गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस दौरान शहबाज शरीफ ने ट्रम्प को दक्षिण एशिया की हिफाजत करने वाला बताया।

संघर्ष में 11 फाइटर जेट्स गिरे थे

ट्रम्प बोले- अप्रैल में चीन दौरे पर जाऊंगा: चीन को लेकर ट्रम्प ने कहा कि उनका राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है। उन्होंने बताया कि वह अप्रैल में चीन जाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार जब वे चीन गए थे तो राष्ट्रपति शी ने उनका शानदार स्वागत किया था। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने इतने सारे सैनिक एक साथ कभी नहीं देखे थे, जो बिल्कुल एक ही कद के थे। उन्होंने मजाक में कहा कि अगर वे हेलमेट उतार देते तो उनके सिर पर बिलियर्ड खेला जा सकता था।

ब्रिटेन ने अमेरिका को एयरबेस देने से इनकार किया

एजेंसी, लंदन

ब्रिटेन ने अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिए अपने एयरबेस देने से मना कर दिया है। अमेरिका इन सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन ब्रिटेन ने इनकार कर दिया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के इस फैसले से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नाराज हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उस समझौते से समर्थन वापस ले लिया है, जिसमें चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने की बात थी। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वह डिएगो गार्सिया और ब्रिटेन के RAF फेयरफोर्ड एयरबेस का इस्तेमाल करना चाहता है। डिएगो गार्सिया, चागोस द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है। 1970 के दशक से यह ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा रहा है। दरअसल पुराने समझौतों के मुताबिक, ब्रिटेन के किसी भी सैन्य ठिकाने का इस्तेमाल तभी हो सकता है, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री इसकी मंजूरी दें। अंतरराष्ट्रीय कानून भी कहता है कि अगर कोई देश जानता है कि सैन्य कार्रवाई गलत है और फिर भी मदद करता है, तो उसे भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

ट्रम्प बोले- चागोस आइलैंड्स छोड़ना बहुत बड़ी गलती: ट्रम्प ने चागोस आइलैंड्स को लेकर ब्रिटेन की आलोचना की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर गुरुवार को लिखा कि 100 साल की लीज किसी देश के मामले में ठीक फैसला नहीं है। डिएगो गार्सिया जैसा ठिकाना छोड़ना बहुत बड़ी गलती होगी। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान, अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तो अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद डिएगो गार्सिया और फेयरफोर्ड के एयरफील्ड का इस्तेमाल करना पड़ सकता है।

फैसले से डोनाल्ड ट्रम्प नाराज, रिपोर्ट- यूएस एयरबेस से ईरान पर हमला करना चाहता है

ऐसे में इन ठिकानों का कंट्रोल बेहद जरूरी है। वहीं ब्रिटिश सरकार का कहना है कि मॉरीशस के साथ समझौता सुरक्षा कारणों से जरूरी है। उनका तर्क है कि इससे लंबे और महंगे कानूनी विवाद से बचा जा सकेगा। बताया जा रहा है कि इस पूरे समझौते पर करीब 35 बिलियन पाउंड (4 हजार अरब रुपए से ज्यादा) का खर्च आ सकता है। डिएगो गार्सिया, हिंद महासागर में स्थित चागोस आइलैंड्स का हिस्सा है। ब्रिटेन ने 1814 में नेपोलियन को हराने के बाद इन आइलैंड्स पर कब्जा किया था। 1965 में इन्हें मॉरीशस से अलग कर 'ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र' बना दिया गया। 1968 में जब मॉरीशस को आजादी मिली, तब यह तय हुआ था कि जब इन द्वीपों की रक्षा के लिए जरूरत नहीं रहेगी, तो इन्हें मॉरीशस को लौटा दिया जाएगा। बाद में डिएगो गार्सिया पर अमेरिका और ब्रिटेन ने मिलकर एक जॉइंट मिलिट्री बेस बनाया था।

देश में शिवाजी जयंती पर हंगामा कर्नाटक में जुलूस पर पथराव

एजेंसी, बागलकोट/हैदराबाद

देशभर में 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। इस दौरान कुछ राज्यों से हंगामे की खबर भी आई। कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान पथराव हुआ। इसके बाद तनाव की स्थिति बन गई। यहां भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 163 के लागू की गई। हैदराबाद में गुरुवार रात मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दो समुदाय के बीच विवाद की स्थिति बनी। यहां पहले एक यूट्यूबर से मस्जिद की रिकॉर्डिंग को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दोनों समुदाय आमने-सामने आ गए। पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली और लोगों को मौके से हटाया।

बागलकोट में गुरुवार रात करीब 10 बजे शिवाजी जयंती का जुलूस निकाला जा रहा था। जब वह पानका मस्जिद इलाके से गुजरा, तभी उस पर पत्थर और चप्पल फेंके गए। बागलकोट एसपी सिद्धार्थ गोयल ने कहा कि पथराव में पुलिसकर्मी घायल हुआ। एसपी ने कहा कि पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है। फुटेज की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। इलाके में 24 फरवरी की आधीरात तक BNS की धारा 163 लागू रहेगी। इलाके में स्थिति कंट्रोल में है।

यूथ कांग्रेस का टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को AI समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाते हुए कहा- 'PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड'। प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं। टी-शर्ट पर PM मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उसपर लिखा है- PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड।

इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया और लिखा- AI समिट के चमकदार मंच के पीछे सच दबाया नहीं जा सकता। जब देशहित से ऊपर कॉरपोरेट हित दिखें और विदेश नीति में नरमी साफ नजर आए, तब विरोध कर्तव्य बन जाता है। वहीं भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साजिश के तहत इंटरनेशनल समिट में भारत की छवि धूमिल की है। BJP सांसद संबित पात्रा ने कहा- यह संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग था। इसकी प्लानिंग राहुल गांधी के आवास पर बनाई गई थी, जहां सोनिया और प्रियंका मौजूद थीं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि वह प्रदर्शन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है। अब तक चार से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाकी की पहचान की जा रही है। एडिशन पुलिस कांस्टेबल देवेश कुमार महला ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12:30 बजे घटी। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और क्यूआर कोड स्कैन करके समिट हॉल में एंट्री की।

मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए, बीजेपी बोली- राहुल के घर पर प्लानिंग हुई

सुप्रीम कोर्ट बोला-बंगाल सरकार और चुनाव आयोग में भरोसे की कमी

कलकत्ता हाईकोर्ट को निर्देश- एसआईआर प्रक्रिया के लिए न्यायिक अधिकारी तैनात करें

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर राज्य सरकार और चुनाव आयोग (EC) के बीच विवाद जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को इस प्रक्रिया में सहयोग के लिए न्यायिक अधिकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि सरकार और आयोग के बीच विश्वास की कमी के कारण SIR ड्राफ्ट रोल से जुड़े दावे और आपत्तियों का निपटारा और निगरानी सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर पूर्व जजों की सेवाएं भी ली सकती हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के आदेश अदालत के आदेश माने जाएंगे। कलेक्टर और एसपी को इन आदेशों का पालन कराना होगा। साथ ही चुनाव आयोग को 28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने की परमिशन दी गई है। हालांकि, जरूरत पड़ने पर बाद में सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की भी छूट दी गई है।

पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर राज्य सरकार और चुनाव आयोग (EC) के बीच विवाद जारी

SC बोला- सरकार माइक्रो-ऑब्जर्वर तैनात करे: सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार द्वारा पर्याप्त ग्रेड-ए अधिकारियों को SIR प्रक्रिया के लिए उपलब्ध नहीं कराने पर गंभीर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की मदद के लिए माइक्रो-ऑब्जर्वर और राज्य सरकार के अधिकारी तैनात रहेंगे।

एक सरकारी स्कूल में 7वीं-8वीं कक्षा के 35 बच्चों द्वारा ब्लेड से अपनी कलाई काटने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया- प्रशासनिक जवाबदेही, नियमित निरीक्षण और अंतरराष्ट्रीय मानकों की अनिवार्यता

लोकतंत्र की शान

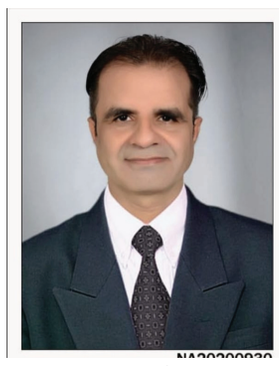

» भारत में स्कूली बच्चों की सुरक्षा -शिक्षा से आगे बढ़कर जीवन की रक्षा का राष्ट्रीय और वैश्विक दायित्व

» शिक्षा विभाग नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे, कलेक्टर औचक निरीक्षण करें,मुख्यमंत्री स्वयं समीक्षा करें व समाज सक्रिय भागीदारी निभाए -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत 142 करोड़ से अधिक आबादी वाला विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। इतनी विशाल जनसंख्या में करोड़ों बच्चे प्रतिदिन स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। स्कूल केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिकविकास और भविष्य की नींव का आधार होते हैं। ऐसे में स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई घटनाएँ चाहे वह छत्तीसगढ़ के धमतरी जैसी दर्दनाक घटना हो या अन्य राज्यों में स्कूल परिसरों में हुई दुर्घटनाएँ,यह स्पष्ट संकेत देती हैं कि अब केवल शिक्षा की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि सुरक्षा की समग्र व्यवस्था पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक लागू करने की आवश्यकता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि किसी भी सभ्य समाज की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसके विद्यालयों की स्थिति और वहाँ पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा से निर्धारित होता है। विद्यालय केवल ज्ञान अर्जन का केंद्र नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की प्रयोगशाला होते हैं। यदि यह प्रयोगशाला ही असुरक्षित हो जाए तो राष्ट्र की नींव कमजोर हो जाती है। हाल के वर्षों में भारत के विभिन्न राज्यों से सामने आई घटनाएँ चाहे वह छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की चौंकाने वाली घटना हो या अनेक राज्यों से जर्जर स्कूल भवनों के गिरने की खबरें,यह स्पष्ट संकेत देती हैं कि अब समय आ गया है जब स्कूल सुरक्षा को शिक्षा नीति के पूरक तत्व के रूप में नहीं, बल्कि उसके मूल स्तंभ के रूप में स्थापित किया जाए। शिक्षा की गुणवत्ता, डिजिटल नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की चर्चा तब तक अधूरी है जब तक बच्चों का जीवन और मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षित न हो। साथियों बात अगर हम छत्तीसगढ़ के एक स्कूल में हाल में हुई घटना को समझने की करें तो,धमतरी जिले के कुरूद स्थित एक सरकारी स्कूल में 7वीं-8वीं कक्षा के 35 बच्चों द्वारा ब्लेड से अपनी कलाई काटने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। यह घटना केवल अनुशासन या प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं है,बल्कि यह बच्चों की मनोवैज्ञानिक स्थिति,स्कूल वातावरण और सामाजिक संवाद की कमी की गंभीर चेतावनी है। जब काउंसलिंग में यह सामने आया कि बच्चों ने देखा-देखी में यह कदम उठाया, तो यह स्पष्ट हो गया कि किशोरावस्था में सामूहिक प्रभाव और आकर्षण की प्रवृत्ति कितनी तीव्र होती है। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हमारे स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है? क्या बच्चों को अपनी भावनाएँ व्यक्त करने का सुरक्षित मंच मिल रहा है?क्या शिक्षक औरअभिभावक उनके व्यवहार में होने वाले सूक्ष्म बदलावों को समझ पा रहे हैं? यदि इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक है,तो हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था की प्राथमिकताओं को पुनर्संतुलित करना होगा। साथियों बात अगर हम 2 दिन पूर्व हाईकोर्ट द्वारा चिंता व्यक्त करने की करें तो,राजस्थान में सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों पर चिंता व्यक्त करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने राज्य सरकार के बजट को ऊंट के मुंह में जीरा बताया। यह टिप्पणी केवल एक राज्य तक सीमित समस्या नहीं दर्शाती, बल्कि देश के अनेक हिस्सों में स्कूल भवनों की दयनीय स्थिति का प्रतीक है। जब भवनों की छतें कमजोर हों, दीवारों में दरारें हों, विद्युत तार खुले हों और शौचालय अनुपयोगी हों, तब बच्चों की सुरक्षा स्वतः खतरे में पड़ जाती है। बजट आवंटन और वास्तविक आवश्यकता के बीच की खाई को पाटना सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर मरम्मत, पुनर्निर्माण और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि सटीक जीवन रक्षा का कार्य है। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समझने की करें तो, विकसित देशों में भी स्कूल सुरक्षा एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे तकनीकी और आर्थिक रूप से समृद्ध राष्ट्र में भी विद्यालयों में गोलीबारी की घटनाएँ समय-समय पर होती रही हैं। 2022 में टेक्सास के उवाल्डे स्थित रोब्ब एलिमेंटरी स्कूल में हुई गोलीबारी ने पूरी दुनियाँ को स्तब्ध कर दिया था। इससे पहले 1999 में कोलोराडो के कॉलम्बीने हाई स्कूल में हुई घटना ने स्कूल सुरक्षा पर वैश्विक बहस को जन्म दिया। इन घटनाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि आर्थिक समृद्धि और तकनीकी उन्नति अपने आप में सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं। सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जोखिम मूल्यांकन, निगरानी, प्रशिक्षण और सामुदायिक सहयोग की निरंतर आवश्यकता होती है। भारत को इन अनुभवों से सीख लेकर अपने विद्यालयों के लिए बहु-स्तरीय अति महत्वपूर्ण सुरक्षा मॉडल विकसित करना चाहिए। साथियों बात अगर हम भारत में शिक्षा का संचालन मुख्यतः राज्यों के अधीन है, इसको समझने की करें तो राष्ट्रीय स्तरपर नीति निर्माण में मिनिस्ट्री ऑफ़ एजुकेशन की केंद्रीय भूमिका है। नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020 ने शिक्षा की गुणवत्ता,समावेशिता और नवाचार पर जोर दिया है, परंतु सुरक्षा को एक स्वतंत्र और अनिवार्य स्तंभ के रूपमें संस्थागत रूपसे स्थापित करने कीआवश्यकता अभी शेष है। स्कूल सुरक्षा नीति को स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ लागू किया जाना चाहिए, जिसमें भवन सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, विद्युत मानक, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, सीसीटीवी निगरानी, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली शामिल हों। प्रत्येक विद्यालय के लिए अनिवार्य स्कूल सेफ्टी ऑडिट प्रणाली लागू की जानी चाहिए,जिसका वार्षिक नवीनीकरण हो और जिसकी रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो।जिला स्तर पर कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट प्रशासनिक व्यवस्था के प्रमुख होते हैं। यदि वे नियमित औचक निरीक्षण करें तो जमीनी स्तर की सच्चाई सामने आ सकती है। औचक निरीक्षण केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें सुरक्षा उपकरणों की कार्यशीलता, अग्निशामक यंत्रों की सर्विसिंग, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, आपातकालीन निकास मार्गों की उपलब्धता और खेल मैदानों की सुरक्षा का वास्तविक मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। कई बार स्कूलों में उपकरण तो लगे होते हैं, परंतु वे निष्क्रिय पड़े रहते हैं। ऐसी स्थिति में दुर्घटना होने पर केवल कागजी प्रमाण किसी बच्चे का जीवन नहीं बचा सकते। इसलिए निरीक्षण प्रणाली को परिणामोन्मुख और जवाबदेह बनाना अत्यंत ही आवश्यक है। साथियों बात अगर हम ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों की स्थिति को समझने की करें तो यह विशेष चिंता का विषय है।कई स्कूल अस्थायी भवनों में संचालित होते हैं या दशकों पुराने ढाँचों में चल रहे हैं। वर्षा, भूकंप या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान ये भवन अतिरिक्त जोखिम उत्पन्न करते हैं।राज्य सरकारों को वार्षिक स्ट्रक्चरल ऑडिट अनिवार्य करना चाहिए और जर्जर भवनों को तुरंत उपयोग से बाहर कर वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। निजी विद्यालयों के लिए भी समान मानक लागू होने चाहिए। यदि कोई निजी संस्था सुरक्षा मानकों की अनदेखी करती है तो उसके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई जुर्माना, मान्यता निलंबन या निरस्तीकरण की व्यवस्था होनी चाहिए।भौतिक संरचना के अतिरिक्त मानसिक और भावनात्मक सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। धमतरी की घटना ने यह स्पष्ट किया कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य की अनदेखी गंभीर परिणाम दे सकती है।विद्यालयों में प्रशिक्षित काउंसलर नियुक्त किए जाने चाहिए। प्रत्येक स्कूल में 'बाल संरक्षण समिति' का गठन हो और शिक्षकों को लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल अधिकारों पर नियमित प्रशिक्षण दिया जाए। बुलिंग, शारीरिक दंड और लैंगिक उत्पीड़न के मामलों के लिए स्पष्ट शिकायत तंत्र हो। बच्चों को यह विश्वास दिलाना आवश्यक है कि उनकी आवाज सुनी जाएगी और उन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।यह विश्वास ही सुरक्षा की सबसे मजबूत नींव है। साथियों बात अगर हम स्कूल परिवहन भी सुरक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष है इसको समझने की करें तो, ओवरलोडेड बसें, अप्रशिक्षित चालक औरफिटनेस प्रमाणपत्र की अनदेखी अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। परिवहन विभाग और शिक्षा विभाग के संयुक्त निरीक्षण अभियान अनिवार्य होने चाहिए। प्रत्येक स्कूल बस में जीपीएस प्रणाली, फर्स्ट एड किट, अग्निशामक यंत्र और प्रशिक्षित परिचारक होना चाहिए। बस चालकों के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और पृष्ठभूमि सत्यापन भी अनिवार्य किया जाना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा स्कूल के गेट तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; घर से स्कूल और स्कूल से घर तक की पूरी यात्रा सुरक्षित होनी चाहिए,सामाजिक भागीदारी सुरक्षा तंत्र को और मजबूत बना सकती है। अभिभावक-शिक्षक संघ को केवल परीक्षा परिणाम या शुल्क संरचना तक सीमित न रखकर सुरक्षा समीक्षा में सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए।स्थानीय पुलिस, प्रशासन और समुदाय के बीच समन्वय सेसंदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई संभव है। स्कूल सेफ्टी कम्युनिटी नेटवर्क जैसे मॉडल विकसित किए जा सकते हैं, जहाँ समुदाय स्वयं निगरानी में सहयोग करे।डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अभिभावकों को सुरक्षा रिपोर्ट और निरीक्षण निष्कर्ष उपलब्ध कराए जा सकते हैं। साथियों बात अगर हम स्कूल सुरक्षा को केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है;इसको समझने की करें तो यह एक सामाजिक अनुबंध है जिसमें सरकार, शिक्षक,अभिभावक और समुदाय सभी सहभागी हैं। यदि किसी एक कड़ी में कमजोरी आती है तो पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। इसलिए समन्वित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। नीति निर्माण से लेकर क्रियान्वयन और निगरानी तक हर स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।यदि मुख्यमंत्री स्वयं समय-समय पर स्कूलों की सुरक्षा संबंधी समीक्षा बैठकें लें, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला अधिकारियों से रिपोर्ट प्राप्त करें, और आकस्मिक निरीक्षण करें, तो प्रशासनिक तंत्र में गंभीरता स्वतः आ जाती है। जब शीर्ष नेतृत्व संवेदनशील और सक्रिय होता है, तो निचले स्तर पर भी जवाबदेही बढ़ती है। बच्चों की सुरक्षा केवल शिक्षा विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि गृह विभाग, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग का भी समन्वित उत्तरदायित्व है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने स्कूल सुरक्षा को बहु-आयामी दृष्टिकोण से अपनाया है। आपदा प्रबंधन अभ्यास, नियमित मॉक ड्रिल, मनो वैज्ञानिक सहायता कार्यक्रम और सामुदायिक जागरूकता अभियान को शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बनाया गया है। भारत में भी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। भूकंप, आग या अन्य आपात स्थितियों के लिए छात्रों और शिक्षकों को प्रशिक्षित करना आवश्यक है ताकि संकट की घड़ी में घबराहट के बजाय संगठित प्रतिक्रिया हो। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि बच्चों की सुरक्षा केवल कानूनी या प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व है। जिस राष्ट्र में बच्चे सुरक्षित नहीं, वहाँ विकास की कोई भी परिकल्पना अधूरी है। धमतरी जैसी घटनाएँ चेतावनी हैं कि हमें शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से सीख लेते हुए,स्थानीयआवश्यकताओं के अनुरूप मजबूत नीतियाँ बनाकर और उनका कठोर क्रियान्वयन सुनिश्चित करके ही हम अपने विद्यालयों को वास्तविक अर्थों में सुरक्षित बना सकते हैं।जब प्रत्येक अभिभावक यह विश्वास कर सके कि उसका बच्चा विद्यालय में सुरक्षित है, तभी शिक्षा व्यवस्था पर समाज का भरोसा पूर्ण रूप से स्थापित होगा। यही विश्वास राष्ट्र की प्रगति की सबसे सुदृढ़ आधारशिला है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

मातृभाषा हमारी आत्मा की आवाज है

लेखक- डॉ.अशोक कुमार भार्गव

प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा में लिखने पढ़ने सीखने समझने संवाद स्थापित करने का अधिकार है क्योंकि मातृभाषा हमारी आत्मा की आवाज होती है। वह मात्र शब्दों का समूह या जाल नहीं होती वरन हमारी संस्कृति, संस्कार, मूल्य, परंपरा, विरासत और अस्मिता की पहचान होती है। वह हमारी सोच,समझ, भाव, विचारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है जो हमें एक दूसरे से जोड़ती है, सामाजिक गठन,व्यक्तित्व विकास,सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नयन में सहायक होती है। सामान्य अर्थों में बच्चा जन्म लेने के बाद पहली बार जिस ध्वनि स्पर्श या संकेत में मां शब्द कहता है वही उसकी मातृभाषा होती है जो वह मां के झूले पालने में, मां की पवित्र गोद में धीरे-धीरे सीखता है। यही उसके भावनात्मक लगाव, सामाजिक जुड़ाव,जटिल मानसिक परिस्थितियों को समझने, संज्ञानात्मक विकास और रचनात्मकता का आधार बनती है। 21 फरवरी को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की पृष्ठभूमि सन 1952 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान वर्तमान में बांग्लादेश में हुए भाषाई आंदोलन से संबंधित है। सन् 1947 में पाकिस्तान के जन्म के बाद उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित किया और पूर्वी पाकिस्तान में भी उर्दू को ही राष्ट्रभाषा के रूप में थौपने का प्रयास किया किंतु पूर्वी पाकिस्तान ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक भाषा घोषित करने की मांग की जिसे पाकिस्तान ने ठुकरा दिया फल स्वरुप 21 फरवरी1952 को ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रदर्शन किया जिसे पाकिस्तान की पुलिस ने प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करते हुए बर्बरता पूर्वक समाप्त कर दिया जिसमें अनेक छात्र मारे गए। बांग्लादेश में यह दिवस दुखद दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। मातृभाषा के इस भाषाई संघर्ष को मान्यता देने के लिए वैश्विक स्तर पर मातृभाषा दिवस मनाने की मांग कनाडा के बंगाली नागरिक रफीकुल इस्लाम ने की थी जिसे यूनेस्को ने स्वीकार कर किया और 21 फरवरी 2000 को पहला विश्व मातृ भाषा दिवस मनाया गया। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता का संरक्षण, बहुभाषिकता के प्रति चेतना, लुप्त प्राय भाषाओं को संरक्षित करना और मातृभाषा में शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। वास्तव में यह दिवस अपनी मातृभाषा के प्रति निष्ठा, वचनबद्धता,ममत्व, लगाव और भावनात्मक जुड़ाव के प्रकटिकरण का स्मारक दिवस है। यूनेस्को का अनुमान है कि दुनिया में बोली जाने वाली 7000 भाषाओं में से 40% भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं। डिजिटल क्रांति के इस दौर में सोशल मीडिया में मात्र 100 से भी कम भाषाओं का उपयोग हो रहा है।अन्य भाषाएं इस दौर की चुनौतियों का सामना करने में समर्थ नहीं हो पा रही हैं।यह मानवीय सभ्यता के लिए एक गंभीर संकट है। वैश्वीकरण,शिक्षा और मीडिया में प्रमुख भाषाओं के प्रभुत्व,औपनिवेशिक विरासत, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं तथा आर्थिक कारणों से समुदायों के विस्थापन,क्षेत्रीय तथा अल्पसंख्यक भाषाओं पर तथाकथित पिछड़ेपन या अशिक्षित होने के सांस्कृतिक लांक्षन तथा लिखित में भाषाओं की स्वयं की लिपि न होने के के कारण भाषाएं विलुप्त हो रही हैं। इनके साथ ही संपूर्ण बौद्धिक सांस्कृतिक विरासत, हमारी पहचान, प्रकृति, गणित, दर्शन, लोकगीत, लोक कथाऐं, कहावतें मुहावरे, कविताएं, गीत, दादी,नानी की कहानियां,अभिव्यक्ति की अनूठी तकनीक आदि सभी भी विलुप्त हो रही हैं। इसलिए भाषाई विविधता और लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण, उनके पुनरुद्धार की आवश्यकता, मातृ भाषाओं का सम्मान और मातृभाषा में बोलने के मूल अधिकार की रक्षा करना आज सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती है।

एआई इम्पैक्ट 2026 सेमिट का समापन भारत का भाग्य,भविष्य और भय के बीच खड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग

विनोद कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार

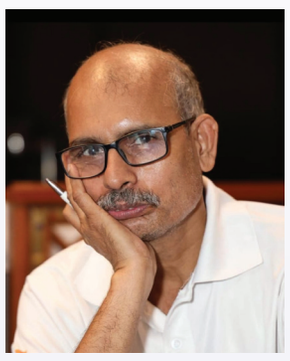

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भारत के आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज किया जाएगा।यह केवल एक अन्तराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन नहीं था,बल्कि एक सभ्यतागत घोषणा थी - कि भारत अब अपनी नियति कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति से गढ़ना चाहता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में यह आयोजन भारत की उस महत्त्वाकांक्षा का प्रतीक बना, जिसमें तकनीक विकास का साधन नहीं,बल्कि राष्ट्र-निर्माण का दर्शन बन रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था।यह उस भारत की आवाज़ थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति—कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है। मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है।जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने एआई को "डिजिटल स्वराज" का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और नियंता होगा। अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है।उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।उनका मानना था कि एआई भारत के लिए वही भूमिका निभाएगा, जो बीसवीं सदी में रेलवे और बिजली ने निभाई—देश को जोड़ने और गति देने की भूमिका। एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में कई रणनीतिक घोषणाएँ की गईं, जो भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा निर्धारित करती हैं।सरकार ने राष्ट्रीय एआई कंप्यूट ग्रिड, स्वदेशी भाषा मॉडल,सरकारी सेवाओं में एआई के व्यापक उपयोग,स्वास्थ्य और शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्ट शहरों और रक्षा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एआई अनुसंधान, स्टार्टअप और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति,वित्त और अवसंरचना के समन्वित प्रयासों की घोषणा की गई।इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई।डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई।भारत को एआई निर्माण और अनुसंधान का वैश्विक हब बनाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की घोषणा की गई। यह संकेत है कि वैश्विक पूंजी भारत को अगली तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र मान रही है। विदेशी निवेश के साथ रोजगार की संभावनाएँ भी इस सम्मेलन का केंद्रीय विषय रहीं।सरकार और उद्योग जगत का दावा है कि एआई भारत में लाखों नई नौकरियाँ पैदा करेगा - डेटा वैज्ञानिक, एआई इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, चिप डिजाइनर, डिजिटल सेवा प्रदाता और तकनीकी प्रशिक्षक जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, एआई आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं में नए प्रकार के रोजगार उत्पन्न होंगे। यह आशा व्यक्त की गई कि भारत की विशाल युवा जनसंख्या को एआई युग के लिए कौशल प्रदान कर वैश्विक कार्यबल का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा। परंतु इतिहास हमें सिखाता है कि हर तकनीकी क्रांति अवसरों के साथ विस्थापन भी लाती है। औद्योगिक क्रांति ने पारंपरिक कारीगरों को विस्थापित किया, सूचना क्रांति ने डिजिटल डिवाइड को जन्म दिया, और एआई क्रांति मानव श्रम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा कर रही है।मशीनें न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक श्रम भी करने लगी हैं।पत्रकारिता, बैंकिंग, कानून,शिक्षा,चिकित्सा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई का प्रवेश तेजी से हो रहा है।आम आदमी के मन में यह भय स्वाभाविक है कि कहीं यह तकनीक उसकी आजीविका न छीन ले।सरकार कौशल विकास और पुनः प्रशिक्षण की बात करती है, परंतु भारत जैसे विशाल और विविध समाज में यह कार्य कितना प्रभावी होगा, यह एक खुला प्रश्न है। ग्रामीण,असंगठित और कम शिक्षित श्रमिक वर्ग के लिए एआई युग में समायोजन आसान नहीं होगा।यदि एआई नीति सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा सुधार और रोजगार पुनर्गठन के साथ नहीं जुड़ी,तो यह तकनीकी प्रगति सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है। एक अन्य गहरा प्रश्न मानव निर्णयों पर मशीन के प्रभाव का है। यदि शासन,न्याय और सुरक्षा में एआई का उपयोग बढ़ता है,तो मानवीय विवेक,नैतिकता और संवेदना का स्थान एल्गोरिद्म ले सकता है। एल्गोरिद्म निष्पक्ष होने का दावा करता है, परंतु वह भी मानव निर्मित होता है और उसमें मानव पूर्वाग्रह समाहित हो सकते हैं। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मानव प्रतिनिधियों और संस्थाओं के हाथ में होना चाहिए,परंतु एआई की बढ़ती भूमिका लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को जटिल बना सकती है।डेटा और गोपनीयता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है।एआई डेटा पर आधारित है,डेटा आधुनिक युग का नया तेल बन चुका है।नागरिकों की निजी जानकारी,व्यवहार, स्वास्थ्य,शिक्षा और वित्तीय विवरण एआई प्रणालियों में प्रवाहित होंगे। यह प्रश्न उठता है कि इस डेटा का स्वामी कौन होगा - नागरिक,सरकार या कॉर्पोरेट? भारत में डेटा संरक्षण कानून विकसित हो रहे हैं, परंतु आम नागरिक के मन में यह आशंका है कि कहीं उसकी निजता तकनीकी प्रगति की बलि न चढ़ जाए।डिजिटल असमानता का प्रश्न भारत के लिए विशेष रूप से गंभीर है। भारत एक असमान समाज है—शहरी और ग्रामीण, अमीर और गरीब, शिक्षित और अशिक्षित के बीच गहरी खाई है।यदि एआई केवल शहरी,अंग्रेज़ी-भाषी और तकनीकी रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित रहा,तो यह खाई और गहरी हो सकती है। मोदी सरकार भारतीय भाषाओं में एआई मॉडल विकसित करने की बात करती है, ताकि ग्रामीण और क्षेत्रीय भाषाओं के नागरिक भी लाभान्वित हों।यह एक सकारात्मक संकेत है,परंतु इसे नीति और संसाधनों के स्तर पर वास्तविक रूप देना चुनौतीपूर्ण होगा।एआई इम्पैक्ट सम्मेलन 26 में भारत बनाम अमेरिका और चीन की तकनीकी प्रतिस्पर्धा का संदर्भ भी स्पष्ट था। अमेरिका एआई अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी है, चीन एआई को राज्य-नियंत्रित रणनीतिक हथियार के रूप में विकसित कर रहा है, और भारत तीसरा रास्ता खोज रहा है—लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित एआई विकास का मॉडल। यह एक कठिन लेकिन नैतिक रूप से आवश्यक मार्ग है। यदि भारत इस मार्ग पर सफल होता है, तो वह केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक वैश्विक नेतृत्व भी स्थापित कर सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव चेतना, समाज और सभ्यता को पुनर्परिभाषित करने वाली शक्ति है। भारतीय दर्शन में बुद्धि को विवेक, धर्म और करुणा से जोड़ा गया है। मशीन बुद्धि में यह विवेक और करुणा कहाँ से आएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और आध्यात्मिक भी है। भारत, जो योग, दर्शन और मानव चेतना के अध्ययन की प्राचीन परंपरा रखता है, एआई युग में मानव और मशीन के संबंध पर वैश्विक विमर्श का नेतृत्व कर सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस द्वंद्व का प्रतीक था - एक ओर भारत का स्वप्न, दूसरी ओर भारत का भय। मोदी मिशन और वैष्णव विजन भारत को एआई महाशक्ति बनाने का संकल्प लेते हैं। विदेशी निवेश, तकनीकी साझेदारी और रोजगार की संभावनाएँ भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर प्रस्तुत करती हैं। यदि भारत एआई उत्पादन, चिप निर्माण,डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुसंधान में आत्मनिर्भर बनता है, तो वह 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ बन सकता है। परंतु यह यात्रा तभी सफल होगी, जब एआई को लोकतांत्रिक, समावेशी और मानव-केंद्रित बनाया जाएगा। तकनीक को पूंजी और सत्ता के केंद्रीकरण का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानव कल्याण का माध्यम बनाना होगा। रोजगार पुनर्गठन, शिक्षा सुधार, डिजिटल समावेशन और डेटा संरक्षण को एआई नीति के साथ एकीकृत करना होगा।एआई भारत का भाग्य और भविष्य बन सकता है, परंतु केवल तब,जब यह मानवता का विस्तार बने, उसका विकल्प नहीं। भारत के सामने अवसर भी है और चुनौती भी। एआई इम्पैक्ट 2026 ने भविष्य का द्वार खोल दिया है—अब यह भारत पर निर्भर है कि वह इस द्वार से होकर एक न्यायपूर्ण, समावेशी और विवेकपूर्ण तकनीकी सभ्यता की ओर बढ़ता है, या फिर एक ऐसी मशीन-प्रधान दुनिया की ओर, जहाँ मानव केवल उपभोक्ता बनकर रह जाए।भारत का भाग्य और भविष्य अब एल्गोरिद्म,डेटा और मशीनों की प्रयोगशालाओं में लिखा जा रहा है, परंतु उसकी आत्मा अभी भी मानव विवेक,करुणा और लोकतंत्र में बसती है। यही द्वंद्व एआई युग के भारत की सबसे बड़ी कहानी भी है जिम्मेदारी भी होगी जो अभी अतीत के गर्भ में छुपी है।

बीसीबी ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया

● खिलाड़ियों को 4 ग्रेड में बांटा, ग्रेड डी खिलाड़ियों को मिलेंगे सिर्फ 1.5 लाख रुपये

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2026 तक के लिए पुरुष टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा कर दी है। 2025 में जहां 22 खिलाड़ी कॉन्ट्रैक्ट में शामिल थे, वहीं 2026 के लिए यह संख्या बढ़ाकर 28 कर दी गई है। बीसीबी ने खिलाड़ियों को कैटेगरी ए,बीसी और डी में बांटा है। तस्किन अहमद ए+ ग्रेड से इस बार ए ग्रेड में आ गए तेज गेंदबाज तस्किन अहमद, जो पिछले साल अकेले ए+ ग्रेड में थे, इस बार ए

ग्रेड में आ गए हैं। फरवरी में एचिलीज चोट के कारण वे 2025 में कोई टेस्ट मैच नहीं खेल सके, लेकिन व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सक्रिय रहे। उन्होंने 6 वनडे में 8 विकेट और 13 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 विकेट लिए। कुल मिलाकर तस्किन ने 17 टेस्ट में 49 विकेट, 83 वनडे में 117 विकेट और 86 टी20 में 106 विकेट लिए हैं। ग्रेड ए में नजमुल हुसैन शांतो, मेहदी हसन मिराज, लिटन दास और तस्किन अहमद शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को 8 लाख बांग्लादेशी टका (लगभग ?6 लाख) प्रति माह मिलेंगे।

ग्रेड बी में 11 खिलाड़ी को रखा गया

वहीं, अनुभवी खिलाड़ी मुशफिकुर रहीम पिछले साल मार्च में वनडे से संन्यास लेने के बाद अब बी ग्रेड में आ गए हैं। उनके साथ मोमिनुल हक, तैजुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तौहीद हृदय, हसन महमूद, नाहिद राणा, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, रिशाद हुसैन और शाक माहेदी हसन को भी बी ग्रेड में रखा गया है। इस ग्रुप के खिलाड़ियों को 6 लाख टका (करीब ? 4.5 लाख) प्रति माह मिलेंगे।

4 खिलाड़ियों को क्कग्रेड में प्रमोशन मिला- शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, रिशाद हुसैन और शाक माहेदी हसन को शानदार प्रदर्शन के चलते बी ग्रेड में प्रमोशन मिला है। तंजीद हसन 2025 में टी20 में बांग्लादेश के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 27 मैचों में 775 रन बनाए। वहीं, रिशाद हुसैन ने पिछले सीजन वनडे और टी-20 दोनों में सबसे ज्यादा विकेट लिए। उन्होंने 25 टी20 में 33 और 7 वनडे में 17 विकेट झटके।

ग्रेड डी के खिलाड़ियों को 1.5 लाख

ग्रेड सी में सौम्या सरकार, जाकेर अली अनिक, शरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, नासुम अहमद और सैयद खालिद अहमद शामिल हैं। इनकी मासिक सैलरी 4 लाख टका (लगभग 2.9 लाख) होगी। ग्रेड डी में सैफ हसन, परवेज हुसैन एमोन, तनवीर इस्लाम, नईम हसन, हसन मुराद, शमीम हुसैन और काजी नुरुल हसन सोहन शामिल हैं।

सुपर-8 टीमों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन

● वेस्टइंडीज वर्ल्ड कप में भारी पड़ा, साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के बाद 8 टीमें सेकेंड राउंड में पहुंच चुकी हैं। यहां 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया। टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के ग्रुप में रखा है। विंडीज को छोड़कर बाकी दोनों टीमों के खिलाफ भारत का वर्ल्ड कप रिकॉर्ड अच्छा है।

सुपर-8 स्टेज की तीनों टीमों के खिलाफ भारत का प्रदर्शन

- **साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया-** सुपर-8 स्टेज में टीम इंडिया का पहला मैच 22 फरवरी को साउथ अफ्रीका से होना है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमों ने 8 टी-20 खेले, 6 में भारत और महज 2 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में दोनों टीमें 7 बार भिड़ीं, 5 में भारत और 2 में ही साउथ अफ्रीका जीत सका। टीम इंडिया ने 2014 के सेमीफाइनल और 2024 के फाइनल में प्रोटियाज टीम को ही हराया था। ओवरऑल टी-20 में भी भारत ने साउथ अफ्रीका को 60 प्रतिशत मैच हराए हैं।
- **जिम्बाब्वे ने चैंपियन बनने के बाद हराया-** टीम इंडिया का दूसरा मैच 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से होना है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से ही शुरू होगा। 29 जून

2024 को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर ही गई। जहां होम टीम ने पहले ही मुकाबले में भारत को 102 रन पर समेटकर 13 रन से मुकाबला जीत लिया। हालांकि, सीरीज 4-1 से भारत के नाम रही।टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें इकलौती बार 2022 में भिड़ी थीं। मेलबर्न में पहले बैटिंग करते हुए भारत ने सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल की फिफ्टी के सहारे 186 रन बना दिए। जवाब में जिम्बाब्वे 115 रन ही बना सका। ओवरऑल दोनों टीमों के बीच 13 टी-20 हुए, महज 3 में जिम्बाब्वे को जीत मिल सकी।

- **वेस्टइंडीज 2016 का सेमीफाइनल हरा चुका-** टीम इंडिया का आखिरी सुपर-8 मैच 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में यह मुकाबला भी शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमें एक बार भी नहीं भिड़ीं, दोनों टीमें 2024 के आईसीसी टूर्नामेंट में भी आमने-सामने नहीं हो सकी थीं। भारत ने वेस्टइंडीज को ओवरऑल 63 प्रतिशत टी-20 मैच हराए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का पलड़ा ही भारी रहा। आईसीसी टूर्नामेंट में दोनों टीमें 2009 में पहली बार भिड़ी थीं, तब लॉर्ड्स में भारत 7 विकेट से हार गया। 2010 में भी विंडीज 14 रन से जीता। भारत को इकलौती जीत 2014 में मिली, तब टीम 7 विकेट से जीती थी। दोनों टीमें 2016 में मुंबई के मैदान पर सेमीफाइनल में भी आमने-सामने हुईं। भारत ने विराट कोहली के 89 रन की मदद से 192 रन बनाए, विंडीज ने 2 गेंदें बाकी रहते हुए 7 विकेट से मुकाबला जीता और भारत को बाहर कर दिया।

सभी टेबल टॉपर भारत के ग्रुप में

सुपर-8 से पहले ग्रुप स्टेज में 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया। भारत ग्रुप-ए में सभी मैच जीतकर टॉप पर रहा। टीम इंडिया के सुपर-8 ग्रुप में शामिल जिम्बाब्वे ग्रुप-बी, वेस्टइंडीज ग्रुप-सी और साउथ अफ्रीका ग्रुप-डी में सभी मैच जीतकर नंबर-1 पर रहा। यानी टीम इंडिया के ग्रुप-1 में सभी अजेय टीमें हैं। दूसरी ओर ग्रुप-2 में शामिल श्रीलंका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज में 1-1 हार जरूर मिली।

जिम्बाब्वे ने लगातार दूसरे वर्ल्ड चैंपियन को हराया

● ऑस्ट्रेलिया के बाद श्रीलंका को 6 विकेट से मात दी, 26 फरवरी को भारत से मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरे मैच में वर्ल्ड चैंपियन टीम को मात दी है। उसने गुरुवार को कोलंबो में 2014 की वर्ल्ड चैंपियन श्रीलंका को 6 विकेट से हराया। टीम ने 13 फरवरी को 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रनों से हराया था।

अब सुपर-8 में टीम का पहला मैच 23 फरवरी को मुंबई में वेस्टइंडीज से होगा। इसके बाद 26 फरवरी को भारत से चेन्नई में मुकाबला होगा। सुपर-8 में जिम्बाब्वे का आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में साउथ अफ्रीका से होगा। जिम्बाब्वे आईसीसी रैंकिंग में 11वें नंबर पर है।इस जीत के साथ जिम्बाब्वे ने 7 पॉइंट्स के साथ ग्रुप क्को टॉप किया है। श्रीलंका 6 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहा। 179 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। ओपनर ब्रायन बेनेट ने महीश तीक्षणा की बॉल पर चौका मारकर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने 48 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। बेनेट ने 8 चौके लगाए। उनके अलावा, कप्तान सिकंदर रजा ने 45 और तदिवानाशे मारुमनी ने 34 रन का योगदान दिया। दशुन हेमंथा ने 2 विकेट झटके।

अफगानिस्तान ने अपने आखिरी मैच में कनाडा को हराया

82 रन से जीता मैच, जादरान ने 95 रन बनाए, नबी को 4 विकेट

कोलंबो (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान का सामापन जीत के साथ किया है। टीम ने गुरुवार के आखिरी मैच में कनाडा को 82 रन से हराया।

कनाडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 200 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 118 रन ही बना सकी। इब्राहिम जादरान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच का स्कोरबोर्ड

इब्राहिम जादरान 5 रन से शतक चूके- अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान महज 5 रन से टी-20 वर्ल्ड कप में अपना पहला शतक चूक गए। उन्होंने 95 रनों की नाबाद पारी खेली। जादरान ने 56 गेंद की पारी में 4 चौके और 5 छक्कों के सहारे 169.64 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। जादरान के अलावा, सेदिकुल्लाह अटल ने 44 रन बनाए। वे 6 रन से फिफ्टी चूक गए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 30 रन बनाए। कनाडा के लिए जसकरन सिंह को 3 विकेट मिले।

सुपर-8 के मैचों का पूरा शेड्यूल

21 फरवरी से शुरुआत, 3 डबल हेडर होंगे, भारत 22 फरवरी को साउथ अफ्रीका से खेलेगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की सुपर-8 टीमें तय हो चुकी है। ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान ने अगले दौर में प्रवेश किया है। लेकिन, इन टीमों के मुकाबले कब और कहां होंगे? किस टीम को कौन से ग्रुप में रखा गया है और उसका मैच कब होगा। इस टूर्नामेंट में 20 टीमों ने हिस्सा लिया। 5-5 टीमों को 4 अलग ग्रुप में बांटा गया। 36 मैच खत्म होने के बाद ही अगले राउंड की 8 टीमें तय हो गईं। गुरुवार को 3 मैच खेले गए, लेकिन इनसे सुपर-8 पर कोई फर्क नहीं पड़ा। आज ऑस्ट्रेलिया-ओमान आखिरी ग्रुप मैच खेलेंगे, लेकिन सुपर-8 पर इसका भी कोई असर नहीं होगा।

व्यापार

गाजा पुनर्निर्माण: विश्व बैंक ने किया विशेष फंड का एलान, अजय बंगा ने बताई भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। युद्ध प्रभावित गाजा के पुनर्निर्माण को गति देने के लिए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने एक समर्पित गाजा रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट फंड की घोषणा की है। यह फंड अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाले धन को सुव्यवस्थित तरीके से प्रबंधित करेगा और पुनर्निर्माण परियोजनाओं में उसके प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करेगा।

वाशिंगटन में आयोजित बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक को संबोधित करते हुए बंगा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव पारित होते ही विश्व बैंक ने फंड की स्थापना की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी थी। उन्होंने बताया कि यह फंड अब विश्व बैंक के भीतर स्थापित हो चुका है और दानदाताओं से मिलने वाली राशि प्राप्त करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बंगा ने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था में विश्व बैंक लिमिटेड ट्रस्टी की भूमिका निभाएगा, जबकि फंड का संचालन नवगठित बोर्ड ऑफ पीस के निर्देशों के तहत किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूरी प्रणाली का आधार पारदर्शिता और जवाबदेही होगी, ताकि सहयोग देने वाले देशों को यह स्पष्ट जानकारी मिल सके कि उनका धन किस परियोजना और किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा रहा है। इसके लिए वित्तीय, कानूनी और निगरानी से जुड़े कड़े मानक लागू किए जाएंगे। साथ ही जवाबदेही को और मजबूत करने के लिए विश्व बैंक ने एक वित्तीय नियंत्रक को प्रतिनियुक्ति पर बोर्ड ऑफ पीस के साथ जोड़ा है। विश्व बैंक समूह की व्यापक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बंगा ने तीन प्रमुख प्राथमिकताओं का उल्लेख किया। पहला, सार्वजनिक वित्त का अधिकतम उपयोग, जिसमें विश्व बैंक की उच्च क्रेडिट रेटिंग के माध्यम से निजी बांड के जरिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने की संभावना शामिल है। दूसरा, निजी निवेश को जोखिम से मुक्त बनाना, जिसके तहत गारंटी और वित्तीय उपकरणों के जरिए निजी पूंजी को आकर्षित किया जाएगा। तीसरा, विश्व बैंक की जमीनी विशेषज्ञता और अनुभव, जिसका उपयोग गाजा के पुनर्निर्माण कार्यों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक केवल दूर से निगरानी करने वाली संस्था नहीं रहेगा, बल्कि पुनर्निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएगा ताकि गाजा और पूरे क्षेत्र के लोगों को बेहतर जीवन और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में प्रस्तुत पुनर्निर्माण योजना में आवास, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं के बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण का खाका शामिल है।इसके अलावा गाजा में नई फिलिस्तीनी प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।कई देशों ने अरबों डॉलर की सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 10 अरब डॉलर तक की सहायता का वादा शामिल है।

कारोबार को बांट रही सरकारी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ लॉन्च करने से पहले सरकार की महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी ने अपने कारोबार को लेकर एक अहम ऐलान किया है। कंपनी ने अपने एग्री डिपार्टमेंट को अप्रैल तक अलग करने की योजना बनाई है। बता दें कि दिसंबर में कंपनी का आईपीओ आने वाला है। इस लिहाज से डीमर्जर का कदम काफी अहम है। एमएसईडीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि हम महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी के लिए दिसंबर तक आईपीओ लाने का लक्ष्य रख रहे हैं और उससे पहले हम अपने कृषि व्यवसाय को अलग करेंगे, जिसे हम अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं। लोकेश चंद्र ने कहा कि कृषि कैटेगरी को एक अलग कंपनी के रूप में बनाया जाएगा, न कि सहायक कंपनी के रूप में। इससे यह सुनिश्चित होगा कि इसकी देनदारियां मुख्य वितरण कंपनी की बैलेंस शीट पर न रहें। उन्होंने बताया कि स्स्श्वष्टष्टरुपर कुल मिलाकर लगभग 96,000 करोड़ रुपये का बकाया है, जिसमें से लगभग 76,000 करोड़ रुपये कृषि उपभोग से संबंधित बकाया हैं। बता दें कि अप्रैल में हुए विभाजन के बाद शेष इकाई पर लगभग 20,000 करोड़ का कर्ज बना रहेगा।

● कंपनी का आज खुल रहा है आईपीओ

प्राइवेट हॉस्पिटल में नौकरी करने वाली डॉक्टर बन गई भारत में आइवीएफ क्वीन

नई दिल्ली, एजेंसी। सक्सेस स्टोरी की आज की श्रृंखला में हम आपको बता रहे हैं गॉडियम आईवीएफ एंड वूमेन हेल्थ लिमिटेड की फाउंडर और सीईओ डॉ. मनिका खन्ना की कहानी। दिल्ली के एक डॉक्टर परिवार में जन्मी मनिका देश की जानी-मानी इन विट्रो फर्टिलाइजेशन एक्सपर्ट हैं। वह इस समय देश के करीब 30 देशों में 30,000 से भी ज्यादा परिवारों में बच्चे की खुशी बांट चुकी हैं। उनकी कंपनी गॉडियम आईवीएफ का आईपीओ आने वाला है।

दुनिया में ढेरों जोड़े ऐसे होते हैं जिनके यहां तमाम प्रयासों के बावजूद बच्चे की किलकारी नहीं गूंज पाती है। ऐसे जोड़ों के घर खुशी की सौगात देती हैं दिल्ली की डॉक्टर मनिका खन्ना। जी हां, इन्होंने बड़ौदा मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और एमडी करने के बाद आईवीएफ तकनीक की पढ़ाई जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया से की है। इन्होंने गॉडियम ईवीएफ एंड वूमेन हेल्थ लिमिटेड

नाम की एक कंपनी बनाई है जिसकी पहुंच देश के 22 राज्यों तक हो चुकी है। इसके मरीज दुनिया भर के 30 देशों से हैं। इनकी कंपनी का आईपीओ आज यानी 20 फरवरी 2026 को खुल रहा है। डॉ. मनिका खन्ना का जन्म डॉक्टरों के परिवार में हुआ है। उनकी दादी भी डॉक्टर थी, जिन्होंने जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर से एमबीबीएस किया था। उनकी दादी के बैचमेट जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डा. फारुख अब्दुल्ला भी थे। उनके पिताजी भी वेटनरी डॉक्टर थे। उनके पति पीयूष खन्ना भी डॉक्टर हैं। वह बाल बाल रोग विशेषज्ञ हैं। हालांकि, उनका बेटा विषद खन्ना डॉक्टर नहीं है बल्कि उन्हीं की कंपनी में डायरेक्टर है। उनकी बेटी अमेरिका से स्पेस साइंस में पढ़ाई कर रही हैं। डा. मनिका खन्ना दिल्ली की हैं। उन्होंने रामकृष्णपुरम के बेहद प्रसिद्ध दिल्ली पब्लिक स्कूल से स्कूली शिक्षा पूरी की है। 12वीं के बाद ही उनका चयन सीबीएसई द्वारा आयोजित होने वाली मेडिकल की संयुक्त परीक्षा में चयन हो गया। उन्हें साल 1991 में गुजरात के बड़ौदा मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिला। वह हर साल अपनी कक्षा में अव्वल रहती थीं और एमबीसीएस की परीक्षा गोल्ड मेडल के साथ पास की। फिर उनका प्रवेश उसी मेडिकल कॉलेज में एमडी के लिए हो गया। उन्होंने बड़ौदा मेडिकल कॉलेज से ही 1999 में एमडी की पढ़ाई गोल्ड मेडल के साथ पूरी की। डा. मनिका खन्ना ने बड़ौदा मेडिकल कॉलेज से एमडी करने के बाद दिल्ली आ गईं।

10 ग्राम सोना जिंदगी नहीं बदल देगा... सीए ने बताया कहां और कितने निवेश से बनेंगे अमीर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमीर बनने के लिए कितना पैसा निवेश करना जरूरी है यह एक ऐसा सवाल है जिसका जवाब लगभग हर नया निवेशक जानना चाहता है। वह उस चीज में पैसा निवेश करने के लिए उत्सुक रहता है, जिसमें उस समय तेजी आ रही हो। सिर्फ चाहे वह सोना हो या चांदी या शेयर बाजार। काफी नए निवेशक ऐसे होते हैं जो आटे में नमक जितनी रकम निवेश करते हैं और सपना देखते हैं पहाड़ जितने बड़े फंड का, जो संभव नहीं है। ऐसे ही निवेशकों को लेकर सीए, निवेशक और फाइनेंशियल एक्सपर्ट अक्षत श्रीवास्तव ने एक पोस्ट लिखी है।

अक्षत ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अगर कोई शख्स 10 ग्राम सोना खरीदकर अमीर बनने के सपने देख रहा है तो यह संभव नहीं है। साथ उन्होंने अपनी पोस्ट में यह भी बताया है कि लोगों को कहां और कितनी रकम निवेश करनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया है कि वह किस चीज में अपनी कितनी रकम निवेश करने जा रहे हैं।

अक्षत श्रीवास्तव ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अगर आप 10 ग्राम सोना खरीदते हैं, तो इससे आपकी जिंदगी नहीं बदलेगी। लेकिन, अगर आप अपनी कुल संपत्ति का 30 प्रतिशत सोने पर दांव लगाते हैं और सोना बढ़ता रहता है, तो यह आपकी जिंदगी बदल सकता है।

वह अपनी पोस्ट में आगे बताते हैं, यह बहुत आसान है कि आप अपनी नेटवर्थ का 0.001 प्रतिशत किसी भी चीज पर लगा दें। उसे 5 गुना बढ़ा लें। और फिर अपनी शानदार निवेश की काबिलियत के बारे में बातें करते रहें। असली हिम्मत तो तब लगती है जब आप अपनी कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा किसी खास चीज पर दांव पर लगाते हैं। अक्षत श्रीवास्तव बताते हैं कि आज वे अपनी कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत अमेरिकी एआई स्टॉक्स पर लगा रहे हैं। वे इसे 60 से 70 प्रतिशत तक ले जाने की सोच रहे हैं। वे कहते हैं कि देखते हैं यह कैसा रहता है। क्षत की पोस्ट का सीधा सा मतलब है कि छोटी-छोटी बचतें या निवेश जिंदगी में बड़ा बदलाव नहीं लाते। असली बड़ा बदलाव तब आता है जब हम सोच-समझकर, हिम्मत के साथ अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा किसी ऐसे क्षेत्र में लगाते हैं जिसमें हमें भरोसा हो और जिसके बढ़ने की संभावना हो। जैसे कि एआई स्टॉक्स।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)